Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000
9770888888

दैनिक
सकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 156 पृष्ठ : 8 मुल्यः 1:00 रायपुर, गुरुवार 11 जून, 2026 www.sakarbharat.com

सुशासन तिहार बना जनसेवा का महाअभियान

सीएम विष्णुदेव साय ने जनता के बीच पहुंचकर जीता भरोसा

गांव-गांव पहुंची सरकार, लाखों समस्याओं का हुआ समाधान

रायपुर। छत्तीसगढ़ की माटी में इस समय 'सुशासन तिहार' की गूंज है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने सुशासन को केवल एक प्रशासनिक शब्द न रखकर, उसे जन-जन के जीवन का हिस्सा बना दिया है। साल 2026 का यह सुशासन तिहार इस बात का गवाह है कि कैसे दृढ़ इच्छाशक्ति, पारदर्शिता और तकनीक के सही तालमेल से एक राज्य अपने नागरिकों के चेहरे पर मुस्कान ला सकता है। मुख्यमंत्री साय के विजन ने छत्तीसगढ़ को विकास की एक नई और विश्वसनीय राह पर अग्रसर कर दिया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सरकार बनते ही 'मोदी की गारंटी' को पूरा करते हुए किसानों से 3100 प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी सुनिश्चित की। इसके साथ ही 21 क्विंटल प्रति एकड़ की रिकॉर्ड खरीदी ने छत्तीसगढ़ के कृषि इतिहास में नया कीर्तिमान रचा है। दो साल का बकाया बोनस भी सीधे किसानों के खातों में ट्रांसफर किया गया। इस ऐतिहासिक फैसले ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को अभूतपूर्व मजबूती दी है, जिससे प्रदेश का अन्नदाता कर्ज के बोझ से मुक्त होकर स्वाभिमान के साथ उन्नति की राह पर अग्रसर है।

वादों से विकास तकः 'साय सरकार' का भरोसा

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जब राज्य की कमान संभाली, तब उनके सामने 'मोदी की गारंटी' को धरातल पर उतारने की बड़ी चुनौती थी। आज, सुशासन तिहार के मौके पर यह साफ दिख रहा है कि सरकार ने न केवल उन गारंटियों को पूरा किया, बल्कि उम्मीदों से आगे बढ़कर काम किया। धान का रिकॉर्ड उपार्जन हो, प्रति एकड़ 3100 रुपये की कीमत का भुगतान हो, या दो साल के बकाया धान बोनस का तत्काल अंतरण—किसानों के खातों में सीधे पहुंची राशि ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई जान फूंक दी है। यह सुशासन का ही नतीजा है कि आज प्रदेश का अन्नदाता खुद को सुरक्षित और सम्मानित महसूस कर रहा है।

महतारी वंदनः नारी शक्ति का उदय

सुशासन का सबसे संवेदनशील और सुंदर चेहरा 'महतारी वंदन योजना' के रूप में सामने आया है। प्रदेश की लाखों विवाहित महिलाओं के बैंक खातों में हर महीने सीधे ?1,000 की राशि जमा होना सिर्फ एक वित्तीय सहायता नहीं है, बल्कि यह उनके आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की नई इबारत है। मुख्यमंत्री साय का मानना है कि जब तक राज्य की मातृशक्ति सशक्त नहीं होगी, तब तक सुशासन की कल्पना अधूरी है। आज महिलाएं इस राशि का उपयोग बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और छोटे-मोटे स्वरोजगार के लिए कर रही हैं, जो सीधे तौर पर समाज के बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहा है।

अंत्योदय का संकल्पः हर गरीब को पक्का मकान

पूर्ववर्ती सरकार के समय रुकी हुई प्रधानमंत्री आवास योजना को साय सरकार ने अपनी पहली ही कैबिनेट में प्राथमिकता दी। 'सुशासन तिहार 2026' के आंकड़े बताते हैं कि राज्य में लाखों गरीब परिवारों के पक्के मकान का सपना सच हो चुका है। मुख्यमंत्री का स्पष्ट निर्देश है कि विकास की कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति को सबसे पहले उसका अधिकार मिलना चाहिए। आवासहीन परिवारों को छत मिलने से उनका जीवन स्तर सुधरा है और वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं।

पीएम आवास योजनाः हर गरीब को छत

पूर्ववर्ती सरकार के समय अटकी हुई 'प्रधानमंत्री आवास योजना' को साय सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में मंजूरी दी। राज्य के लाखों गरीब और बेघर परिवारों को पक्के मकान की चाबी सौंपी जा चुकी है। मुख्यमंत्री का संकल्प है कि छत्तीसगढ़ का कोई भी नागरिक झोपड़ी में न रहे। इस योजना के सुचारू क्रियान्वयन से न केवल गरीबों को सुरक्षित आशियाना मिला है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण गतिविधियों के बढ़ने से स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसरों का सृजन भी हुआ है।

नारी सशक्तिकरण

छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण को नई दिशा देते हुए साय सरकार ने 'महतारी वंदन योजना' के तहत प्रदेश की पात्र विवाहित महिलाओं को प्रति माह 1000 की वित्तीय सहायता देना जारी रखा है। सीधे बैंक खातों में पहुंच रही यह राशि महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना रही है। सुशासन तिहार 2026 के अवसर पर महिलाएं इस योजना के लिए मुख्यमंत्री का आभार जता रही हैं, क्योंकि इससे न केवल उनका सामाजिक सम्मान बढ़ा है बल्कि छोटे-मोटे खर्चों के लिए दूसरों पर निर्भरता पूरी तरह खत्म हो गई है।

नयद नेल्लानारः बस्तर का कायाकल्प

माओवाद प्रभावित बस्तर संभाग के सुदूर गांवों में बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने के लिए शुरू की गई 'नियद नेल्लानार' (आपका अच्छा गांव) योजना सुशासन की मिसाल बन चुकी है। सुरक्षा कैंपों के आसपास के गांवों में सड़क, स्वच्छ पेयजल, बिजली, स्कूल और स्वास्थ्य केंद्र जैसी सुविधाएं तेजी से विकसित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री साय की इस अनूठी पहल से दशकों से कटे हुए क्षेत्र अब मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। बस्तर के आदिवासियों में सरकार के प्रति भरोसा बढ़ा है और भय का स्थान अब चहुंमुखी विकास ने ले लिया है।

बस्तर और सरगुजा में शांति ओर विकास की बयार

विष्णुदेव साय सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि बस्तर और सरगुजा जैसे सुदूर अंचलों में सुशासन की पहुंच स्थापित करना है। 'नियद नेल्लानार' (आपका अच्छा गांव) जैसी दूरदर्शी योजनाओं के माध्यम से माओवाद प्रभावित क्षेत्रों के गांवों में सड़क, बिजली, पानी, स्कूल और अस्पताल जैसी बुनियादी सुविधाएं युद्ध स्तर पर पहुंचाई जा रही हैं। भय के माहौल को विकास के भरोसे से बदला जा रहा है। सरकार की पुनर्वास नीतियों और युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों ने आदिवासियों के जीवन में एक नया सवेरा ला दिया है।

डिजिटल गवर्नेंसः भ्रष्टाचार पर सीधी चोट

सुशासन का सीधा मतलब है—कम से कम सरकारी हस्तक्षेप और ज्यादा से ज्यादा जन-सुविधा। साय सरकार ने 'नो योर बजट' ऐप, ऑनलाइन म्यूटेशन, ई-श्रम पोर्टल और विभिन्न नागरिक सेवाओं को पूरी तरह डिजिटल कर दिया है। अब आम जनता को छोटे-छोटे कामों के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए सीधे लाभार्थियों के खातों में पैसा भेजा जा रहा है। इससे बिचौलियों का राज खत्म हुआ है और सरकारी तंत्र के प्रति जनता का विश्वास कई गुना बढ़ गया है।

पारदर्शी CGPSCः युवाओं का लौटा भरोसा

युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ और भर्ती परीक्षाओं में होने वाली गड़बड़ियों को रोकने के लिए सीएम विष्णुदेव साय ने कड़े कदम उठाए हैं। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की परीक्षा प्रणाली में ऐतिहासिक सुधार करते हुए पूरी प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और त्रुटिहीन बनाया गया है। गड़बड़ियों की जांच केंद्रीय एजेंसियों को सौंपकर दोषियों पर कार्रवाई की जा रही है। इससे राज्य के होनहार और मेहनती युवाओं में सरकारी तंत्र के प्रति खोया हुआ विश्वास वापस लौटा है और वे पूरे उत्साह से परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं।

स्वास्थ्य क्रांतिः आयुष्मान और स्वास्थ्य शिविर

सुशासन तिहार के अंतर्गत राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं का बड़े पैमाने पर विस्तार किया गया है। 'आयुष्मान भारत योजना' के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ-साथ मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत गरीबों को गंभीर बीमारियों के मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है। दूरदराज के क्षेत्रों में नियमित रूप से नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जहां विशेषज्ञ डॉक्टर, दवाइयां और जांच सेवाएं मुफ्त उपलब्ध कराई जा रही हैं। साय सरकार का ध्येय है कि धन के अभाव में प्रदेश के किसी भी नागरिक का इलाज न रुके।

युवाओं के सपनों को उड़ान

युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले तत्वों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्यमंत्री साय ने सीजीपीएससी परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता का नया युग शुरू किया। रुकी हुई भर्तियां पूरी की जा रही हैं और स्थानीय युवाओं को सरकारी व निजी क्षेत्रों में रोजगार के बेहतर अवसर दिए जा रहे हैं। कौशल विकास योजनाओं को आधुनिक उद्योगों की मांग के अनुरूप ढाला जा रहा है, जिससे छत्तीसगढ़ का युवा अब केवल रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बन रहा है।

रामलला दर्शन योजनाः आस्था का सम्मान

छत्तीसगढ़ के नागरिकों की आस्था का सम्मान करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 'श्री रामलला दर्शन योजना' की शुरुआत की है। इस योजना के तहत राज्य के हजारों श्रद्धालुओं को शासकीय खर्च पर अयोध्या में रामलला के दर्शन कराए जा रहे हैं। तीर्थयात्रियों के लिए विशेष ट्रेनों, भोजन, ठहरने और सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था सरकार द्वारा की जाती है। भांचा राम की ननिहाल छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए यह योजना केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि एक भावुक और आध्यात्मिक अनुभव है, जिसने जनता को सरकार के बेहद करीब ला दिया है।

समृद्ध छत्तीसगढ़ का रोडमैप

'सुशासन तिहार 2026' के केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह बीते समय की उपलब्धियों के स्व-मूल्यांकन और भविष्य के समृद्ध छत्तीसगढ़ के निर्माण का संकल्प है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सादगी, संवेदनशीलता और कड़े फैसले लेने की क्षमता ने छत्तीसगढ़ को देश के अग्रणी राज्यों की कतार में लाकर खड़ा कर दिया है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र पर चलती हुई यह सरकार राज्य के हर नागरिक के जीवन को सुगम, सुरक्षित और समृद्ध बनाने के लिए पूरी तरह समर्पित है।

आदिवासी कल्याणः जल, जंगल, जमीन का हक

जशपुर के माटी पुत्र और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आदिवासियों के जल, जंगल और जमीन के अधिकारों के संरक्षण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। पेसा कानून को जमीन पर प्रभावी ढंग से लागू किया गया है, जिससे ग्राम सभाओं को वास्तविक अधिकार मिले हैं। तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए मानदेय बढ़ाकर ?5500 प्रति मानक बोरा किया गया है और चरण पादुका जैसी हितग्राही योजनाएं फिर शुरू की गई हैं। वनांचल क्षेत्रों में लघु वनोपजों के प्रसंस्करण केंद्र स्थापित कर आदिवासी भाई-बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है।

निगम की बड़ी कार्रवाईः शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण ध्वस्त

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार जोन-2 वैशाली नगर क्षेत्र में शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई। निगम की संयुक्त टीम ने मंगलवार को अवैध निर्माण को ध्वस्त कर अतिक्रमण हटाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दीपेश कुमार नथवानी द्वारा अपने 650 वर्गफीट रजिस्ट्री क्षेत्रफल के अतिरिक्त शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण किया गया था। इस संबंध में प्रस्तुत अभ्यावेदन को जिला नियमितीकरण समिति एवं आयुक्त राजस्व संभाग स्तर पर निरस्त कर दिया गया था। निगम के जोन-2 वैशाली नगर राजस्व विभाग द्वारा संबंधित निर्माणकर्ता को कई बार नोटिस जारी कर रजिस्ट्री क्षेत्र से अतिरिक्त शासकीय भूमि पर किए गए निर्माण को स्वयं हटाने के निर्देश दिए गए थे। साथ ही समय-समय पर निगम को इसकी जानकारी देने के लिए भी कहा गया था, लेकिन निर्माणकर्ता द्वारा अवैध निर्माण नहीं हटाया गया। इसके बाद 9 जून को जोन-2 वैशाली नगर के राजस्व विभाग, बेदखली विभाग तथा पुलिस बल की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उसे ध्वस्त कर दिया। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में नियमानुसार कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

यातायात पुलिस जवानों को राजयोग मेडिटेशन से तनाव मुक्ति का संदेश

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के सुरक्षा प्रभाग द्वारा यातायात पुलिस के जवानों के लिए 'स्वसक्तिकरण से राष्ट्र का सशक्तिकरण' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सुरक्षा बलों के मनोबल को बढ़ाना तथा उन्हें तनावमुक्त जीवन के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में माउंट आबू से आए सुरक्षा प्रभाग के कर्नल बी.सी. सती ने कहा कि सुरक्षा बलों के जवान कठिन परिस्थितियों में कार्य करते हैं, जिससे तनाव की स्थिति उत्पन्न होती है। ऐसे में राजयोग मेडिटेशन मानसिक शांति, आत्मविश्वास और आंतरिक शक्ति प्रदान कर तनाव को नियंत्रित करने में सहायक होता है। उन्होंने बताया कि यह अभियान छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा। माउंट आबू से आए ब्रह्माकुमार शैलेन्द्र भाई ने कहा कि जीवन में तनाव स्वाभाविक है, लेकिन मजबूत मनोबल के माध्यम से उस पर नियंत्रण पाया जा सकता है। वहीं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त विवेक शुक्ला ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि यातायात पुलिस सीधे जनता से जुड़ी होती है और सकारात्मक व्यवहार के माध्यम से लोगों का विश्वास एवं सहयोग प्राप्त किया जा सकता है।

उत्कर्ष योजना के तहत कक्षा 6वीं प्रवेश परीक्षा 5 जुलाई को, 20 जून तक करें आवेदन

कोण्डागांव। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में पं. जवाहर लाल नेहरू उत्कर्ष योजना) के तहत वर्ष 2026-27 में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए जिला स्तरीय लिखित चयन परीक्षा 5 जुलाई 2026 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक जिला मुख्यालय के निर्धारित परीक्षा केंद्रों में होगी।

आदिवासी विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार योजना का लाभ लेने के लिए छात्र का कोण्डागांव जिले का निवासी तथा अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति वर्ग का होना आवश्यक है।

अभ्यर्थी छत्तीसगढ़ के किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय में कक्षा 5वीं में नियमित अध्ययनरत हो तथा कक्षा 4वीं की परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक या समकक्ष ग्रेड प्राप्त किया हो।

इसके अलावा पालक की वार्षिक आय 2.50 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। योजना के लिए केवल ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत एवं नगर पंचायत क्षेत्र के विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थी ही पात्र होंगे।

पात्र छात्र-छात्राओं को निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र, दो पासपोर्ट साइज फोटो, प्रगति पत्र, पालक की सहमति, जाति, निवास एवं आय प्रमाण पत्र सहित आवश्यक दस्तावेज 20 जून 2026 तक अपने विद्यालय में जमा करने होंगे। विद्यालय प्रमुख आवेदन पत्रों का परीक्षण कर उन्हें 22 जून तक विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में जमा करेंगे।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा सभी आवेदनों का संकलन कर सूची एवं संबंधित दस्तावेजों की हार्ड कॉपी और सॉफ्ट कॉपी 24 जून 2026 तक सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग, कोण्डागांव कार्यालय को भेजी जाएगी। जिला प्रशासन ने पात्र विद्यार्थियों और अभिभावकों से समय-सीमा के भीतर आवेदन करने की अपील की है।

उच्चतम न्यायालय द्वारा आयोजित स्पेशल लोक अदालत

आवेदन जमा करने की तिथि 31 मई से बढ़ाकर 31 जुलाई की गई

कोरबा। उच्चतम न्यायालय द्वारा आयोजित किये जा रहे समाधान समारोह (दिनांक 21, 22, एवं 23 अगस्त 2026 को उच्चतम न्यायालय में आयोजित स्पेशल लोक अदालत) के अन्तर्गत गूग्गल फार्म के माध्यम से मामले प्रस्तुत करने की समय-सीमा का उच्चतम न्यायालय, भारत के अनुसंधान एवं योजना केन्द्र तिलक मार्ग नई दिल्ली द्वारा विस्तार करते हुए आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि जो पूर्व में 31 मई 2026 तक निर्धारित थी उक्त तिथि को 31 जुलाई तक बढ़ाया गया है।

आमजनों से अपील की गई है कि कोई पक्षकार जिनके मामले 31 मई 2026 तक उच्चतम न्यायालय में लंबित हैं और वे स्पेशल लोक अदालत हेतु अपना आवेदन जमा नहीं कर पाये हैं, वे 31 जुलाई 2026 तक अपने मामले के समाधान के लिए आवेदन कर सकते हैं।

नैनो डीएपी और नैनो यूरिया से बढ़ी पैदावार, किसान दुखा राम बने मिसाल

कोण्डागांव। जिले के बड़ेराजपुर विकासखंड के ग्राम पिटेचुवा के प्रगतिशील किसान दुखा राम मरकाम आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर बेहतर उत्पादन हासिल कर रहे हैं। 15 एकड़ भूमि में खेती करने वाले श्री मरकाम पिछले दो वर्षों से नैनो डीएपी और नैनो यूरिया का उपयोग कर रहे हैं, जिससे उन्हें उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि और लागत में कमी का लाभ मिला है।

किसान का कहना है कि नैनो उर्वरकों के छिड़काव से पोषक तत्व सीधे पौधों तक पहुंचते हैं, जिससे फसल की बढ़वार बेहतर होती है। धान की रोपाई के लगभग 30 दिन बाद पहला तथा आवश्यकता अनुसार 50 से 60 दिनों के बीच दूसरा छिड़काव किया जाता है। इससे पौधे अधिक स्वस्थ, मजबूत और उत्पादक बनते हैं।

मरकाम के अनुसार नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया के उपयोग से उन्हें प्रति एकड़ 15 से 20 क्विंटल धान उत्पादन प्राप्त हो रहा है। पहले वे प्रति एकड़ लगभग 50 किलोग्राम दानेदार डीएपी का उपयोग करते थे, जिस पर करीब 1850 रुपये खर्च होते थे और उत्पादन 10 से 15 क्विंटल प्रति एकड़ मिलता था। अब नैनो डीएपी के प्रयोग से दानेदार डीएपी की आवश्यकता लगभग 50 प्रतिशत कम हो गई है तथा प्रति एकड़ दो बोतल नैनो डीएपी पर करीब 1200 रुपये का खर्च आ रहा है।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार नैनो उर्वरकों के उपयोग से उत्पादन में लगभग 30 प्रतिशत वृद्धि और उर्वरक लागत में करीब 50 प्रतिशत तक कमी दर्ज की गई है। फसल में हरियाली, जड़ों के विकास, शाखाओं की संख्या और बालियों की वृद्धि में भी सकारात्मक सुधार देखा गया है।

दुखा राम मरकाम की सफलता से प्रेरित होकर क्षेत्र के अन्य किसान भी नैनो डीएपी और नैनो यूरिया के उपयोग में रुचि दिखा रहे हैं। इससे आधुनिक, टिकाऊ और लाभकारी कृषि पद्धतियों को बढ़ावा मिल रहा है, जो किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

30-40 किमी पैदल चलकर महाराष्ट्र से लाते थे नमक-तेलः रात जंगल में गुजारते थे, अबूझमाड़ में पहली बार लगा बाजार

जगदलपुर। कभी नमक, तेल और राशन खरीदने के लिए अबूझमाड़ के ग्रामीणों को 30 से 40 किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ता था। संकरी पगडंडियों, ऊंची पहाड़ियों और घने जंगलों को पार कर वे पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के भामरागढ़ पहुंचते थे। सुबह अंधेरा रहते घर से निकलने वाले ग्रामीण देर रात लौटते थे। कई बार जंगल में ही रात बितानी पड़ती थी।

यह मजबूरी इसलिए थी, क्योंकि उनके अपने इलाके में न सड़क थी, न बाजार और न ही कोई व्यापारी पहुंचने की हिम्मत करता था। आज तस्वीर बदल चुकी है। देश की आजादी के करीब 8 दशक बाद, छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 26 साल बाद और नक्सलवाद के खत्म होने के बाद पहली बार अबूझमाड़ के पद्मकोट, जाटलूर में नियमित हाट बाजार लगना शुरू हुआ है।

इससे आसपास के उसेबेड़ा, परपा, बोड़तामरका, कोड़तामरका, दुरबेड़ा समेत 20 से 25 गांवों के 5 हजार से अधिक ग्रामीणों को अब अपने ही इलाके में राशन, सब्जी, कपड़े और रोज की जरूरतों का सामान मिलने लगा है।

पदमकोट और आसपास का इलाका कभी नक्सलियों का सबसे सुरक्षित गढ़ माना जाता था। इसे नक्सलियों की राजधानी तक कहा जाता था। यहां बाहरी लोगों की एंट्री लगभग प्रतिबंधित थी। ग्रामीण बताते हैं कि अगर कोई बाहरी व्यक्ति गलती से भी इस इलाके में पहुंच जाता था तो उसे नक्सली पकड़ लेते थे।

व्यापारी यहां आने की सोच भी नहीं सकते थे। नक्सलियों का खौफ, बारूदी सुरंगों का डर और विकास कार्यों पर रोक ने इस पूरे इलाके को दशकों तक देश की मुख्यधारा से अलग रखा। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और बाजार जैसी सामान्य सुविधाएं भी यहां सपना थीं।

अबूझमाड़ के कई गांवों में रहने वाले लोगों के लिए बाजार जाना किसी सामान्य काम की तरह नहीं, बल्कि एक अभियान की तरह होता था। अलग-अलग गांवों के ग्रामीण तय दिन पर इकट्ठा होते थे। लगभग हर परिवार से एक सदस्य सुबह 5-6 बजे निकलता था।

घंटों पैदल चलने के बाद महाराष्ट्र पहुंचते, जरूरत का सामान खरीदते और फिर रात 9-10 बजे तक घर लौटते थे। बरसात के दिनों में यह सफर और भी कठिन हो जाता था। कई बार नदी-नाले उफान पर होते थे और जंगलों में रात बितानी पड़ती थी। नमक, तेल और राशन जैसी सामान्य चीजें भी यहां के लोगों के लिए संघर्ष का प्रतीक थीं।

बाजार की चहल-पहल ने लौटाई सामान्य जिंदगी

आज पद्मकोट में लगने वाले हाट बाजार में किराना, सब्जियां, कपड़े, घरेलू उपयोग का सामान और खेती-किसानी से जुड़ी जरूरतें उपलब्ध हैं। बाजार लगने के दिन आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अब उन्हें एक दिन का समय और लंबा सफर तय नहीं करना पड़ता। गांव के पास ही सामान मिलने से समय, पैसा और मेहनत तीनों की बचत हो रही है।

इस बदलाव के पीछे सुरक्षा बलों की लगातार मौजूदगी और अभियानों की बड़ी भूमिका रही है। पदमकोट और आसपास के क्षेत्रों में हर 4 से 5 किलोमीटर के दायरे में सुरक्षा कैंप स्थापित किए गए। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने के बाद सड़क निर्माण शुरू हुआ और धीरे-धीरे विकास कार्यों का रास्ता खुला।

हालांकि कई सड़कों का निर्माण अभी भी जारी है, लेकिन अब हालात इतने बदल चुके हैं कि व्यापारी मालवाहक वाहनों से सीधे पद्मकोट तक पहुंच रहे हैं।

व्यापारियों का कहना है कि पहले इस इलाके में आने का मतलब जोखिम उठाना था। नक्सलियों का डर था, ढ्ढश्वष्ठ का खतरा था और यह संदेश भी था कि बाहरी लोगों की यहां जरूरत नहीं है। लेकिन अब सुरक्षा और सड़क दोनों मिलने से स्थिति बदल गई है।

मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना

कोरबा। आयुक्त आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास रायपुर द्वारा दिये गये निर्देशानुसार मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजनान्तर्गत वर्ष 2026-27 में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु 06 जुलाई 2026 (रविवार) को दोपहर 12 बजे से 02 बजे तक लिखित परीक्षा का आयोजन किया जायेगा। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कोरबा से प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु जिले के विद्यार्थी 15 जून 2026 तक विद्यालय में आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं। इस संबंध में अधिक जानकारी हेतु विद्यार्थी अपने विद्यालय, संबंधित विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय तथा जिला स्तर पर कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कोरबा व कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी कोरबा से संपर्क कर सकते हैं।

श्रमण संस्कृति संस्कार शिविर का भव्य समापन, मेधावियों को मिले पुरस्कार और प्रमाण पत्र

रायपुर। मालवीय रोड स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में 10 दिनों से चल रहे ग्रीष्मकालीन श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का समापन बुधवार को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरण समारोह के साथ हुआ। संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज की प्रेरणा और श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर (जयपुर) के सानिध्य में आयोजित शिविर में धर्म, संस्कृति और आध्यात्मिक ज्ञान का प्रशिक्षण दिया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए बड़ा मंदिर के मैनेजिंग ट्रस्टी सनत जैन ने कहा कि शिविर की सबसे बड़ी उपलब्धि उसका अनुशासन रहा। उन्होंने बताया कि वर्षों से आयोजित इस शिविर का उद्देश्य जैन धर्म की परंपराओं, धार्मिक संस्कारों और आध्यात्मिक मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है।

शिविर के सफल संचालन में योगदान देने वाले विद्वान अभिषेक जैन शास्त्री 'आयांश', शरद जैन शास्त्री और सौरभ जैन शास्त्री का सम्मान शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर किया गया। साथ ही परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों, युवाओं और महिलाओं को पुरस्कार एवं योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया।

समापन समारोह में जैन समाज के अनेक वरिष्ठ सदस्य, ट्रस्ट पदाधिकारी, महिला मंडल की प्रतिनिधियां और बड़ी संख्या में शिविरार्थी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। सात्विक स्वल्पाहार के साथ कार्यक्रम का सानंद समापन हुआ।

सुशासन को धरातल पर उतारने सख्त निर्देश, जनता के काम में लापरवाही पर तय होगी जवाबदेही

सुकमा। जिले में आम जनता की समस्याओं के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निराकरण के लिए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर अमित कुमार की अध्यक्षता में आयोजित समय-सीमा (टीएल) बैठक में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि जनता के कार्यों में अनावश्यक विलंब होने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। बैठक में सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त आवेदनों के शीघ्र निराकरण पर विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर ने राजस्व विभाग के पटवारी, आरआई, तहसीलदार और एसडीएम को सीधे गांवों में जाकर लोगों की समस्याएं सुनने और उनका समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। भूमि सीमांकन, नामांतरण और वनाधिकार पट्टों से जुड़े मामलों के निपटारे के लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर मिशन मोड में कार्य करने की बात कही गई। आगामी खरीफ सीजन को देखते हुए किसानों की सुविधा के लिए भी प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान सहकारी समितियों में खाद और बीज का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने तथा कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति पर जोर दिया गया। साथ ही किसानों को दलहन एवं तिलहन फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित करने की रणनीति पर भी चर्चा हुई।

नक्सल पीड़ितों के पुनर्वास, नशे पर नियंत्रण और सड़क सुरक्षा को लेकर कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

दंतेवाड़ा। जिला कार्यालय में कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव की अध्यक्षता में राहत एवं पुनर्वास, सड़क सुरक्षा तथा नार्को कोऑर्डिनेशन सेंटर (एनसीओआरडी) से संबंधित महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में नक्सल प्रभावित परिवारों के पुनर्वास, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और नशे के खिलाफ कार्रवाई जैसे विषयों पर विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने नक्सल पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता, रोजगार प्रशिक्षण तथा अन्य सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने अनुकंपा नियुक्ति, छात्रवृत्ति, आत्मसमर्पित नक्सलियों को प्रोत्साहन राशि, प्रशिक्षण अवधि के मानदेय और स्वरोजगार योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही पीड़ित परिवारों और आत्मसमर्पित नक्सलियों के डिजिटल डाटाबेस को अद्यतन रखने पर भी बल दिया।

बैठक में एनसीओआरडी के तहत नशा मुक्ति अभियान, मादक पदार्थों की तस्करी पर नियंत्रण और जब्त वाहनों की नीलामी प्रक्रिया की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने नशीली दवाओं और ड्रग्स के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने, जब्त मादक पदार्थों का समय पर विनष्टीकरण करने तथा जिला अस्पताल में 10 बिस्तरों वाला ड्रग डी-एडिक्शन ट्रीटमेंट सेंटर संचालित करने के निर्देश दिए। मेडिकल स्टोरों के निरीक्षण और नशीली दवाओं की बिक्री पर निगरानी बढ़ाने पर भी चर्चा हुई।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में गीदम सहित प्रमुख मार्गों पर दुर्घटनाएं रोकने के लिए आवारा पशुओं के नियंत्रण, अतिक्रमण हटाने और सुरक्षित फुटपाथ निर्माण पर जोर दिया गया। शिक्षा विभाग को स्कूलों में जागरूकता अभियान चलाने तथा नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने पर रोक सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

बैठक में गौरव राय, जयंत नाहटा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित योजनाओं और अभियानों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समन्वित प्रयासों पर जोर दिया।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े की पहल से लटोरी तहसील में स्थापित हुआ वाटर फिल्टर

आमजन को मिलेगी शुद्ध पेयजल सुविधा

रायपुर। प्रदेश में नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से सूरजपुर जिले के लटोरी तहसील परिसर में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु वाटर फिल्टर स्थापित किया गया है। इस पहल से तहसील कार्यालय आने वाले ग्रामीणों, किसानों तथा आमजनों को गर्मी के मौसम में स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध हो सकेगा।

श्रीमती राजवाड़े ने क्षेत्रवासियों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए तहसील परिसर में पेयजल सुविधा सुदृढ़ करने के निर्देश दिए थे। इसके तहत स्थापित किए गए वाटर फिल्टर से प्रतिदिन बड़ी संख्या में तहसील पहुंचने वाले लोगों को लाभ मिलेगा। इससे न केवल पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी, बल्कि आमजन को स्वच्छ जल प्राप्त होने से स्वास्थ्य संबंधी लाभ भी मिलेंगे।

इस अवसर पर तहसीलदार सुरेंद्र पैकरा ने मंत्री श्रीमती राजवाड़े के जनहितैषी प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि तहसील परिसर में वाटर फिल्टर की स्थापना से आने वाले सैकड़ों लोगों को प्रतिदिन शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा।स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं जनप्रतिनिधि संगठनों के पदाधिकारियों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए इसे जनकल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

सहकार्य बहुउद्देशीय सहकारी समिति कोरबा के संचालक मंडल सदस्यों के निर्वाचन हेतु कार्यक्रम जारी

कोरबा। सहकार्य बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित कोरबा पंजीयन क्रमांक 345 जिला कोरबा के संचालक मंडल सदस्यों के निर्वाचन हेतु चुनाव कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। रिटर्निंग अधिकारी एच.के.चौहान द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार नामांकन पत्र 15 जून 2026 को सुबह 11.30 बजे से अपरांह 03.30 बजे तक समिति कार्यालय में लिया जायेगा। विशेष साधारण सम्मिलन में मतदान 22 जून को सुबह 10 बजे से अपरांह 03 बजे तक सोसायटी कार्यालय में कराया जायेगा। मतदान समाप्ति के एक घंटे के बाद समिति कार्यालय में मतगणना की जायेगी। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं अन्य प्रतिनिधियों के निर्वाचन की प्रक्रिया 29 जून 2026 को प्रात: 11.30 बजे से अपरान्ह 03.30 बजे तक समिति कार्यालय में संपन्न होगी। निर्वाचन कार्यक्रम से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए समिति के सूचना पटल का अवलोकन किया जा सकता है।

पं. जवाहर लाल नेहरू उत्कर्ष योजना हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन

कोण्डागांव। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में पं. जवाहर लाल नेहरू उत्कर्ष योजना) अंतर्गत वर्ष 2026-27 में कक्षा 6 वीं में प्रवेश हेतु जिला स्तरीय लिखित चयन परीक्षा 05 जुलाई को समय दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक जिला मुख्यालय के परीक्षा केन्द्रों में आयोजित किया गया है। कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार छात्रों के चयन का मापदण्ड एवं पात्रता शर्तें हेतु विद्यार्थी कोण्डागांव जिले का निवासी हो, छ.ग. राज्य में मान्य अनु जाति/अनु जनजाति वर्ग का हो, इस हेतु सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी स्थाई जाति प्रमाण पत्र धारक हो, छ.ग. में संचालित किसी मान्यता प्राप्त शाला में से कक्षा 5वीं में नियमित अध्ययनरत हो तथा कक्षा चौथी की परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक या समकक्ष ग्रेड प्राप्त किया है, पालक की समस्त स्त्रोतों से वार्षिक आय 2.50 लाख से अधिक न हो, ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत तथा नगर पंचायत क्षेत्र के विद्यालय में ही अध्ययनरत विद्यार्थी इस योजनांतर्गत आवेदन कर सकेंगे।

बैटरी चलित ट्राइसाइकिल बनी पुरोचन के आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की नई राह

रायपुर। बैटरी चलित ट्राइसाइकिल बनी श्री पुरोचन के आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की नई राहजीवन में कुछ छोटे दिखने वाले सहारे किसी व्यक्ति के लिए बड़े बदलाव का कारण बन जाते हैं। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के ग्राम पद्दा टोला निवासी 35 वर्षीय श्री पुरोचन साहू की कहानी भी ऐसे ही बदलाव की मिसाल है। 75 प्रतिशत दिव्यांगता के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी और मेहनत के बल पर अपना जीवनयापन करते रहे, लेकिन आवागमन की कठिनाइयां उनके सपनों के रास्ते में बड़ी बाधा बनी हुई थीं।

पुरोचन गर्मी के दिनों में गांव-गांव जाकर आइसक्रीम बेचते हैं और अन्य मौसम में ब्रेड बिक्री का कार्य कर अपने परिवार की जिम्मेदारियां निभाते हैं। सीमित संसाधनों और शारीरिक चुनौतियों के बीच रोजाना कई किलोमीटर की दूरी तय करना उनके लिए बेहद कठिन था। कई बार केवल आने-जाने की परेशानी के कारण वे उन स्थानों तक नहीं पहुंच पाते थे, जहां उन्हें बेहतर व्यापार और अधिक आय की संभावना मिल सकती थी।

सुशासन तिहार 2026 के दौरान जब उनकी समस्या समाज कल्याण विभाग के संज्ञान में आई, तब उन्हें बैटरी चलित ट्राइसाइकिल प्रदान की गई। यह ट्राइसाइकिल उनके लिए केवल एक वाहन नहीं, बल्कि स्वतंत्रता और सम्मान का नया माध्यम बन गई। अब वे बिना किसी की सहायता के आसानी से विभिन्न गांवों और बाजारों तक पहुंच रहे हैं। इससे न केवल उनके व्यवसाय का दायरा बढ़ा है, बल्कि उनकी आमदनी में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

पुरोचन बताते हैं, ष्पहले एक जगह से दूसरी जगह जाने में बहुत परेशानी होती थी। कई बार थकान और असुविधा के कारण काम भी प्रभावित हो जाता था। बैटरी चलित ट्राइसाइकिल मिलने के बाद मेरी जिंदगी काफी आसान हो गई है। अब मैं आत्मविश्वास के साथ अपना व्यवसाय कर रहा हूं और पहले से ज्यादा कमाई कर पा रहा हूं। सबसे बड़ी बात यह है कि अब मुझे छोटी-छोटी जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। उनकी आंखों में आज भविष्य के लिए नई उम्मीदें हैं। जो रास्ते पहले कठिन और दूर लगते थे, वे अब उनके लिए अवसरों की नई मंजिल बन चुके हैं। यह सहायता उन्हें केवल गतिशीलता ही नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, सम्मान और आत्मविश्वास भी प्रदान कर रही है। पुरोचन साहू ने जिला प्रशासन, समाज कल्याण विभाग और सुशासन तिहार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की यह पहल दिव्यांगजनों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला रही है। उनकी कहानी इस बात का जीवंत उदाहरण है कि संवेदनशील शासन और समय पर मिली सहायता किसी व्यक्ति के जीवन को नई दिशा देने की क्षमता रखती है।

प्री.बी.एड./बी.एस.सी. नर्सिंग प्रवेश परीक्षा कल

कोरबा। छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल, रायपुर द्वारा आयोजित प्री.बी.एड/बी.एस.सी. नर्सिंग (बीईडी-बीएससीएन) प्रवेश परीक्षा 11 जून को प्रात: 10.00 बजे से अपरान्ह 12.15 बजे तक जिले के 17 परीक्षा केन्द्रों में संपन्न होगी, जिसमें कुल 5055 परीक्षार्थी शामिल होगें। परीक्षा के सफल संचालन हेतु व्यापम के निर्देशों के तहत् सभी आर्जर, केन्द्राध्यक्ष एवं उड़नदस्ता दल को विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थीओं के लिए निर्देश जारी किया गया है।

जारी निर्देश के अनुसार परीक्षा 10.00 बजे से अपरान्ह 12.15 बजे तक आयोजित होगी। परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार 30 मिनट पूर्व 09.30 बजे बंद कर दिया जायेगा। परीक्षार्थी, परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 02 घंटा पूर्व अनिवार्य रूप से परीक्षा केन्द्र में पहुंचेगें। ताकि सभी अभ्यर्थिओं का मेटल डिटेक्टर तथा फिस्किंग जांच किया जा सकें। परीक्षार्थी हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहना होगा। फूट बियर के रूप में चप्पल पहनेगें। कान में किसी भी प्रकार का आभूषण वर्जित है। परीक्षा कक्ष में किसी प्रकार का संचार उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक उपरकण, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी, पर्स, पाऊज, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी आदि ले जाना पूर्णत: वर्जित है। परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर कठोर कार्यवाही की जायेगी तथा अभ्यर्थिता समाप्त की जावेगी । धार्मिक एवं सांस्कृतिक पोशाक वाले अभ्यर्थिओं को अतिरिक्त सुरक्षा जाच से गुजरना होगा। भारत इलेक्ट्रॉनिक लिमिडेट द्वारा सभी केन्द्रों में जैमर लगाया गया है। प्रशासन ने सभी परीक्षार्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित समय और नियमों का पालन करते हुए परीक्षा में सम्मिलित हों, ताकि परीक्षा प्रक्रिया व्यवस्थित एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न हो सके।

जिला स्तरीय रोजगार मेला 17 को, 2029 पदों पर होगी भर्ती

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, दुर्ग और कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज, भिलाई के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 17 जून 2026 (बुधवार) को एक वृहद जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले का आयोजन खम्हरिया, भिलाई स्थित कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में किया जाएगा। जिला रोजगार कार्यालय के उप संचालक से मिली जानकारी के अनुसार, इस रोजगार मेले में कुल 10 प्रतिष्ठित नियोजकों की ओर से तकनीकी और गैर-तकनीकी श्रेणी के कुल 2,029 रिक्त पदों पर भर्तियां की जाएंगी। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न शैक्षणिक योग्यताएं निर्धारित की गई हैं, जिनमें कक्षा 10वीं, 12वीं, स्नातक (बीए, बीएससी आदि), स्नातकोत्तर, आईटीआई, डिप्लोमा इंजीनियरिंग, इंजीनियरिंग स्नातक, एमबीबीएस, बीएएमएस, नर्सिंग, जीएनएम, एएनएम और डिप्लोमा पैरामेडिकल उत्तीर्ण आवेदक शामिल हो सकते हैं। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार इन पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. ऑनलाइन आवेदन करने के लिए आवेदकों का रोजगार कार्यालय में पंजीयन (रजिस्ट्रेशन) होना अनिवार्य है। भर्ती और रिक्तियों से जुड़ी विस्तृत जानकारी रोजगार विभाग की आधिकारिक वेबसाइट www.erojgar.cg.gov.in या छत्तीसगढ़ रोजगार ऐप (सीजी रोजगार ऐप) पर जाकर देखी जा सकती है। इसके अलावा, किसी भी प्रकार की अतिरिक्त जानकारी या सहायता के लिए आवेदक जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, मालवीय नगर चौक, दुर्ग में सीधे संपर्क कर सकते हैं।

कबीला के घर आई आर्थिक संबल की नई रोशनी

रायपुर। महिलाओं के सम्मान, सशक्तिकरण और आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में राज्य शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना हजारों परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। यह योजना केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने और परिवार की छोटी-बड़ी जरूरतों को पूरा करने का मजबूत आधार भी बन रही है।

सूरजपुर जिले के ग्राम बैजनाथपुर की निवासी कबीला देवांगन के जीवन में भी इस योजना ने नई उम्मीद और आत्मनिर्भरता का संचार किया है। वे बताती हैं कि महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह मिलने वाली राशि उनके परिवार के लिए एक महत्वपूर्ण सहारा बन गई है। इस राशि से वे घर की आवश्यक वस्तुएं, रसोई का सामान, साग-सब्जी तथा दैनिक उपयोग की अन्य जरूरतों को सहजता से पूरा कर पा रही हैं।

कबीला देवांगन कहती हैं कि पहले घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए कई बार आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब योजना से मिलने वाली नियमित सहायता ने उनकी चिंताओं को काफी हद तक कम कर दिया है। छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए किसी पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं पड़ती और परिवार के खर्चों का बेहतर प्रबंधन संभव हो पा रहा है। वे बताती हैं कि यह सहायता राशि केवल आर्थिक सहयोग नहीं है, बल्कि महिलाओं के सम्मान और आत्मविश्वास को बढ़ाने का माध्यम भी है। अब उन्हें यह संतोष है कि वे परिवार की जिम्मेदारियों में अपनी सार्थक भागीदारी निभा रही हैं। उनके चेहरे की मुस्कान और आत्मविश्वास इस योजना की सफलता की कहानी स्वयं बयां करते हैं।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के 10 वर्ष पूर्ण होने पर सीएचसी तुमगांव में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

महासमुंद। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुमगांव में उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की जांच एवं उपचार हेतु शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं एवं उनके साथ आए परिजनों, पतियों के साथ गोसइया सम्मेलन किया गया।

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था से होने वाली जटिलताओं तथा मातृ मृत्यु दर में कमी लाने के लिए लोगों को जागरूक करना था। स्वास्थ्य विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं में उच्च जोखिम की पहचान के लिए 25 मानदंड निर्धारित किए गए हैं। इन मानदंडों के अंतर्गत आने वाली महिलाओं के स्वास्थ्य प्रबंधन एवं नियमित निगरानी के लिए प्रत्येक माह की 9 एवं 24 तारीख को विशेष अभियान संचालित किया जाता है। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय को इन विषयों की विस्तृत जानकारी देते हुए जागरूक किया गया।

शिविर में कुल 106 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक उपचार एवं परामर्श प्रदान किया गया। साथ ही महिलाओं की नि:शुल्क सोनोग्राफी जांच भी कराई गई, जिससे गर्भावस्था से संबंधित संभावित जोखिमों की समय पर पहचान और प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके। कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुमगांव के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों तथा कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस दौरान डॉ. निखिल चंद्राकर, डॉ. ज्योति साहू, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक श्री सुरेंद्र चंद्राकर सहित स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम उपस्थित रही। स्वास्थ्य विभाग ने गर्भवती महिलाओं एवं उनके परिवारजनों से नियमित स्वास्थ्य जांच कराने तथा सुरक्षित मातृत्व के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने की अपील की है।

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की जनसुनवाई 18 को

महिला उत्पीड़न से संबंधित 49 प्रकरणों पर होगी सुनवाई

दुर्ग। महिलाओं के उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा आगामी 18 जून 2026 को दुर्ग जिले में एक वृहद जनसुनवाई का आयोजन किया जा रहा है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, यह जनसुनवाई 18 जून को पूर्वान्ह 11.00 बजे से बाल गृह परिसर, पांच बिल्डिंग स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग कार्यालय, दुर्ग के 'प्रेरणा सभाकक्ष' में आयोजित की जाएगी। इस सुनवाई पीठ (न्यायपीठ) की अध्यक्षता अध्यक्ष डॉ. श्रीमती किरणमयी नायक एवं सदस्यगण श्रीमती ओजस्वी मण्डावी व सुश्री दीपिका शोरी द्वारा संयुक्त रूप से की जाएगी, जिसमें महिला उत्पीड़न से जुड़े कुल 49 निर्धारित प्रकरणों पर गंभीरता से सुनवाई कर उनका मौके पर ही निपटारा किया जाएगा।

महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार इस महत्वपूर्ण जनसुनवाई के दौरान कानून व्यवस्था और सुनवाई की सुचारू कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए महिला आयोग द्वारा विशेष तैयारियां की गई हैं। चूंकि इस सुनवाई में प्रदेश के विभिन्न जिलों (दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, बलरामपुर, कांकेर, राजनांदगांव, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी) से प्राप्त प्रकरणों की सुनवाई की जाएगी। इसके साथ-साथ देश के अन्य राज्यों (जैसे पूर्वी दिल्ली, राजस्थान के जैसलमेर, मध्य प्रदेश के मुरैना, तेलंगाना के हैदराबाद, उत्तर प्रदेश के गाजीपुर, उन्नाव, वाराणसी व प्रयागराज, पश्चिम बंगाल के पूर्वी वर्धमान, ओडिशा के नयापारा व बलांगीर, और हरियाणा के गुरुग्राम) से जुड़े मामलों के पक्षकार भी शामिल हो रहे हैं। संबंधित थानों को निर्देशित कर आवेदिका और अनावेदकों को समय पर नोटिस तामिल कराकर उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा गया है।

शाक-सब्जी उगा कर स्वावलंबी बनी मनीषा

दंतेवाड़ा। अगर आत्मनिर्भर होने की उत्कृष्ट अभिलाषा हो तो नियति स्वयं ही मार्ग प्रशस्त करने लगती हैं। इसमें केवल निरंतर मेहनत और लगन की आवश्यकता होती है। यही निरंतरता और दृढ़ निश्चय ही व्यक्ति को उसके लक्ष्य तक पहुचाता है और यह पैमाना जीवन मार्ग के हर ढांचे पर सटीक बैठता है। इस क्रम में ग्राम तुड़पारास विकासखण्ड दंतेवाड़ा की प्रगतिषील महिला कृषक मनीषा नागेश कहती हैं की 2 साल पहले उनकी सास ने 1 हेक्टेयर के जमीन मे सब्जी उत्पादन का कार्य शुरू किया था , लेकिन अब उनकी सास की जगह वे स्वयं सब्जी उत्पादन का कार्य कर रही है।

इन्होंने पहली बार उद्यानिकी विभाग की राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की सहायता से उत्पादन शुरू किया हैं और वे कहती है की उन्होंने अपने बाड़ी मे टमाटर, बैगन, बरबटी, तोरई, केला, करेला और अन्य सब्जियां उगा रही हैं और वे उन सब्जियों को बेच कर आय प्राप्त कर रही हैं। उनके 3 बच्चे हैं जो अभी पढ़ाई कर रहे है, वे कहती हैं की सब्जी बेच कर उनको जो आय प्राप्त होती हैं उससे उनके बच्चों की पढ़ाई तथा परिवार की आर्थिक स्थिति मे भी मदद मिलती हैं। उन्होंने शासकीय विभाग की सहायता से सोलर पैनल का बोर खुदवाया हैं और वे वही से सब्जियों मे सिंचाई करती हैं, और उनका कहना हैं कि वे सब्जियों के उत्पादन के लिए प्राकृतिक रूप से पैरावट का बना हुआ मल्चिंग का उपयोग करती हैं जिसमे घास ज्यादा नहीं उगते और घास साफ करने के लिए लोगों की जरूरत भी नहीं पड़ती। उन्होंने पॉलीथिन मल्चिंग के स्थान पर पैरावट का प्राकृतिक मल्चिंग को चुना हैं।

मनीषा यह भी कहती है कि शासकीय विभाग की तरफ से बहुत सी योजनाएं है। जिनसे मुझ जैसी अन्य महिलाएं भी लाभ लेकर स्वावलंबी बन सकती है। वे आगे बताती है कि राष्ट्रीय कृषि विकास योजना जिसमे ग्राफ्टेड टमाटर ,बैगन का पाला दिया जाता हैं, और राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना मे केला, पपीता और अन्य फलदार पौधे दिए जाते हैं,और राज्य पोषित विकास योजना,ऑइल पाम मिशन आदि योजना का लाभ लेकर एक किसान अच्छा सब्जी उत्पादन कर सकता हैं जिससे उनको आत्मनिर्भर बनने मे मदद मिलेगी।

मनीषा नागेश कहती हैं की वे गृहस्थी चलाने के साथ-साथ सुबह शाम थोड़ा समय निकाल कर अपने सब्जी बाड़ी मे भी मेहनत कर लिया करती हैं। जिसका परिणाम उनको अच्छे आय के रूप मे प्राप्त होता हैं और वे अपने आप को आत्मनिर्भर महसूस करती हैं। आज मनीषा नागेश का मानना है कि यदि किसान मेहनत के साथ-साथ कृषि एवं उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ लें ,तो कम भूमि मे भी अच्छी आय प्राप्त की जा सकती हैं।

क्षमा की दाल और धैर्य की रोटी हाजमा नहीं बिगाड़ती

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

भारतीय संस्कृति में भोजन को केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला से भी जोड़ा गया है। हमारे यहां भोजन के लिए 'दाल-रोटी' शब्द का प्रयोग बड़े स्नेह और सहजता से किया जाता है। दाल-रोटी एक ऐसा भोजन है जो सादा, पौष्टिक और पचने में आसान माना जाता है। यही कारण है कि इसे संतुलित जीवन का प्रतीक भी माना गया है। लेकिन आज के दौर में हम केवल भोजन ही नहीं, बल्कि अनेक भावनाओं को भी अपने भीतर ग्रहण कर रहे हैं। इनमें सबसे अधिक नुकसान पहुंचाने वाली भावना है—क्रोध।

क्रोध एक ऐसी मानसिक अवस्था है जो केवल मन को ही नहीं, शरीर को भी प्रभावित करती है। जब व्यक्ति गुस्सा करता है तो उसके शरीर में कई प्रकार के हार्मोन तेजी से सक्रिय हो जाते हैं। हृदय गति बढ़ जाती है, रक्तचाप ऊंचा हो जाता है और पाचन तंत्र पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कई बार अत्यधिक क्रोध के कारण भूख कम हो जाती है, अपच, गैस, एसिडिटी और अन्य पेट संबंधी समस्याएं उत्पन्न होने लगती हैं। इसलिए कहा जाता है कि क्रोध केवल संबंधों को ही नहीं, स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचाता है।

जब भी क्रोध आए, व्यक्ति को स्वयं से यह प्रश्न करना चाहिए कि यह क्रोध अनुशासन के लिए है या फिर अहंकार के कारण उत्पन्न हुआ है। यदि क्रोध केवल अपने अहम को संतुष्ट करने के लिए है, तो वह विनाशकारी सिद्ध होता है। कई लोग यह सोचकर गुस्सा करते हैं कि इससे उनकी पहचान बनेगी, लोग उनसे डरेंगे या उन्हें अधिक महत्व देंगे। लेकिन वास्तव में ऐसा क्रोध व्यक्ति के व्यक्तित्व को कमजोर बनाता है और उसके रिश्तों में दूरी पैदा करता है। जीवन में सफलता और शांति पाने के लिए क्षमा और धैर्य का गुण अपनाना आवश्यक है। यदि हम प्रतीकात्मक रूप से देखें तो क्षमा दाल के समान है और धैर्य रोटी के समान। जैसे दाल-रोटी शरीर को स्वस्थ रखती है, वैसे ही क्षमा और धैर्य मन को स्वस्थ रखते हैं। क्षमा हमें दूसरों की गलतियों को स्वीकार करने की शक्ति देती है और धैर्य कठिन परिस्थितियों में संतुलन बनाए रखने का सामर्थ्य प्रदान करता है। इसलिए जीवन में क्रोध को नहीं, बल्कि क्षमा और धैर्य को स्थान देना चाहिए। जो व्यक्ति क्षमा की दाल और धैर्य की रोटी का नियमित सेवन करता है, उसका मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य मजबूत रहता है।

ऐसे व्यक्ति का 'हाजमा' अर्थात जीवन का संतुलन कभी नहीं बिगड़ता और वह हर परिस्थिति में शांत, प्रसन्न और सफल बना रहता है।

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

लंकाकांड में आपको दो दृश्य, ऐसे दिखाई देंगे जहां पर रावण का मुकुट टेढ़ा ही नहीं होता अपितु इतना टेढ़ा होता है कि वह नीचे की ओर गिर जाता है। एक बार जब रावण की सभा में अंगद ने मुक्के से प्रहार किया तो रावण सिंहासन से मुंह के बल गिर पड़ा और रावण का मुकुट सिर से उतरकर दूर छिटक गया। और दूसरी बार जब रावण नृत्यशाला में नित्य देख रहा था उस समय भगवान श्रीराम का एक बाण आता है और रावण का छत्र और मुकुट भगवान राम के बाण द्वारा कटकर नीचे गिर जाता है। ये दोनों संकेत रावण के लिए थे, यदि वह प्रेरणा प्राप्त करना चाहता। एक बंदर के मुक्के से मुंह के बल गिर जाना और इस तरह से मुकुट का धूल धसरित हो जाना रावण के लिए यह संकेत था, कि आज तक रावण जब चलता था तो पृथ्वी काँपने लगती थी और जिस रावण के भय के मारे पृथ्वी काँपती थी आज एक बंदर के मुक्के से उसका सिंहासन हिल गया इसका अभिप्राय क्या है ? यह मानो काल का संकेत है कि जब समय प्रतिकूल आता है तो एक बंदर का प्रहार भी व्यक्ति को सत्ता से च्युत करने के लिए समर्थ हो जाता है तथा उस प्रहार को झेलने की सामर्थ्य रावण में नहीं है।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

आपका जीवन संवारने वाले शिक्षक के प्रति आभार कैसे जताएं?

कर्नाटक में बेंगलुरु से 335 किलोमीटर दूर हावेरी जिले में हैंगल एक कस्बा और तालुक मुख्यालय है। धर्मा नदी के बाएं किनारे बसी इस जगह बैठकर कोई घंटों तक शांति से प्रकृति को निहार सकता है। लेकिन इस साल 30 मई को यह शांत कस्बा अचानक पूरी तरह बदला हुआ दिखा। माहौल में एक अलग ही ऊर्जा थी, खासकर कुमारेश्वर हाई स्कूल में। इंजीनियर, डॉक्टर, आंत्रप्रेन्योर और कॉर्पोरेट एग्जीक्यूटिव जैसे एक हजार से अधिक लोग अपने पुराने खेल मैदान में इकट्ठा हुए थे। वे हंस रहे थे, गले मिल रहे थे और भावुकता में आंसू भी पोंछ रहे थे। वे अलग-अलग शहरों से लौटकर वहीं आ गए थे, जहां से उनका जीवन शुरू हुआ था। वे सब वहां उस व्यक्ति के रिटायरमेंट का जश्न मनाने एकत्रित हुए थे, जिसने उन्हें सब कुछ दिया। यह थे उनके शिक्षक सी.एस. वस्त्रद।

आमतौर पर शिक्षक शायद ही कभी सुर्खियां बनते हैं, खासकर छोटे कस्बों के, जब तक कि वे 'एसआईआर' से न जुड़े हों। वे अपने उतने-से वेतन में ही चुपचाप काम करते रहते हैं, जितने में शायद उनके परिवार का गुजारा भी बमुश्किल हो पाता है। फिर भी वे दिन-प्रतिदिन, साल-दर-साल अपनी इसी सीमित आय से दूसरे लोगों के बच्चों के सपनों को भी सहारा देते हैं।

वे अपनी जेब से अतिरिक्त किताबें खरीदते हैं, मुफ्त में पढ़ाने के लिए अपनी छुट्टियां कुर्बान करते हैं और कई बार चुपचाप उन छात्रों की फीस भी भरते हैं, जिन्हें अन्यथा ड्रॉप-आउट होना पड़ता। वस्त्रद भी इसी तरह के भविष्य निर्माता थे। दशकों तक कड़ा अनुशासन और विद्यार्थियों के प्रति गहरा लगाव ही उनके जीवन की पहचान रहा।

उस विशाल भीड़ में उनके एक स्टूडेंट नवीन हुलिहल्ली भी थे। आज नवीन बेंगलुरु में एक बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत सफल पेशेवर हैं। लेकिन कॉर्पोरेट जगत तक पहुंचने का उनका सफर बेहद कठिनाइयों से भरा था। जब नवीन छोटे थे, तभी उनके पिता का निधन हो गया। एक पल में उनका परिवार बेहद गरीबी में आ गया और शिक्षा का सपना तो लगभग खत्म हो गया।

उनकी दुखी मां के लिए स्कूल फीस, यूनिफॉर्म और किताबों का खर्च उठाना संभव नहीं था। तब वस्त्रद ने एक अभिभावक की भूमिका निभाई। एक हाई स्कूल शिक्षक की सीमित आय में ही उन्होंने नवीन की पढ़ाई का खर्च उठाने का फैसला किया। वे सिर्फ आर्थिक मदद पर ही नहीं रुके।

उन्होंने स्कूल की छुट्टियां भी छोड़ दीं और नवीन समेत अन्य संघर्षरत स्टूडेंट्स के लिए एक्स्ट्रा क्लासेज लगाईं, ताकि वे पढ़ाई में ना पिछड़ें। नवीन के लिए वस्त्रद सिर्फ ब्लैकबोर्ड पर पढ़ाने वाले शिक्षक नहीं रहे, बल्कि एक सरोगेट पैरेंट जैसे बन गए। उन्होंने पोस्ट ग्रेजुएशन तक उनका मार्गदर्शन और सहयोग किया। उन्होंने सिर्फ किताबी ज्ञान नहीं दिया, बल्कि स्टूडेंट्स को यह भी सिखाया कि दुनिया में आगे कैसे बढ़ना है और शून्य से शुरू होकर कैसे भविष्य बनाना है।

जब विदाई समारोह अपने चरम पर पहुंचा तो दर्शकों में उत्साह की लहर दौड़ गई। एक नई, रिबन में लिपटी मारुति सुजुकी स्विफ्ट मंच पर लाई गई। नवीन चले, चाबी हाथ में ली और अपने पुराने मेंटर की तरफ मुड़े। स्थानीय आध्यात्मिक नेताओं, ट्रस्ट पदाधिकारियों और अपने एक हजार सहपाठियों की मौजूदगी में उन्होंने पूरी श्रद्धा के साथ वह कार अपने शिक्षक को भेंट की।

यह जीवनभर के उस ऋण के प्रति आभार की एक शानदार और ठोस निशानी थी, जिसे शायद पूरी तरह कभी नहीं चुकाया जा सकता। इसने साबित किया कि शिक्षक जो बीज बोते हैं, वे हमेशा फल देते हैं। भावुकता से भरे वस्त्रद ने लड़खड़ाती जुबान में वहां मौजूद लोगों से कहा कि 'मैंने बस अपना कर्तव्य निभाया।' उनके लिए तो एक हजार सफल और ईमानदार लोगों को वहां एक साथ देखना ही सबसे बड़ा पुरस्कार था।

फंडा यह है कि शिक्षकों को सम्मानित करने का सबसे अच्छा तरीका है कि हम कभी न भूलें उन्होंने बेहद सीमित साधनों में रहकर हमारे भविष्य को गढ़ा। अपनी जरूरतों से ज्यादा हमारी तरक्की को प्राथमिकता दी। रिटायरमेंट के बाद के उनके 'गोल्डन ईयर्स' में उनका साथ दीजिए। उनकी सीख को आगे बढ़ाते हुए दूसरों का जीवनस्तर भी ऊपर उठाइए, जैसे कभी उन्होंने हमारा उठाया था।

आज दुनिया को सबसे अधिक आवश्यकता क्लाइमेट सत्याग्रह की है

देश इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है। तापमान लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है। जब मैं लोगों से पूछता हूं कि अगले वर्ष गर्मी कम होगी या ज्यादा, तो अधिकांश लोग कुछ पल सोचने के बाद कहते हैं- शायद और ज्यादा। यह उत्तर केवल अनुमान नहीं, एक कठोर सच्चाई है। पृथ्वी पहले से कहीं अधिक तेजी से गर्म हो रही है। इसलिए यह मान लेना कि अगले साल स्थिति अपने आप सुधर जाएगी, स्वयं को भ्रम में रखने जैसा है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आज हम ऐसा क्या करें जिससे आने वाला समय और भयावह न बने। दुनिया भर में पर्यावरण संरक्षण, तकनीकी विकास, नई नीतियों और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों पर लगातार काम हो रहा है। इसके बावजूद जलवायु संकट हमारी आंखों के सामने तेजी से बढ़ रहा है। इसका अर्थ है कि समस्या कहीं अधिक गहरी है। मुझे लगता है कि मानव समाज इस विषय में तीन मूलभूत गलतियां कर रहा है।

पहली गलती यह है कि हम प्रकृति के संसाधनों- कोयला, पेट्रोल, डीजल और प्राकृतिक गैस को अपनी पूंजी समझ बैठे हैं। किसी व्यवसाय में यदि आप अपनी पूंजी को ही खर्च करना शुरू कर दें, तो वह अधिक समय तक नहीं चल सकता। प्रसिद्ध पुस्तक 'स्मॉल इज ब्यूटीफुल' में ईएफ शूमाकर ने 1973 में ही चेतावनी दी थी कि मानव-समाज पृथ्वी की प्राकृतिक पूंजी को अपनी आय की तरह खर्च कर रहा है। विज्ञान, तकनीक और मशीनें हमने बनाई हैं, उनका उपयोग करना उचित है। लेकिन करोड़ों वर्षों में बने जीवाश्म ईंधन हमने नहीं बनाए। वे प्रकृति की पूंजी हैं। यदि हम उसी पूंजी को लगातार जलाते रहेंगे, तो दिवालियापन निश्चित है।

दूसरी गलती यह है कि हम मानकर चल रहे हैं कि हमारे उत्पादन और उपभोग में बढ़ोतरी अनंत काल तक चल सकती है। विज्ञान बढ़ रहा है, तकनीक बढ़ रही है, अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, लेकिन पृथ्वी नहीं बढ़ रही। उसके संसाधन सीमित हैं। सीमित पृथ्वी पर असीमित उपभोग कभी संभव नहीं हो सकता। लेकिन हमने विकास की पूरी परिभाषा ही अधिक उत्पादन और अधिक उपभोग पर आधारित कर दी है।

तीसरी और शायद सबसे बड़ी गलती यह है कि हम मानते हैं पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन की समस्या को सरकारें हल कर देंगी। वास्तविकता यह है कि यह समस्या किसी एक सरकार या उद्योग ने नहीं खड़ी की है। इसे हम सभी ने मिलकर बनाया है। हम जो पहनते हैं, खाते हैं, खरीदते हैं, जितनी बिजली उपयोग करते हैं, जितना यात्रा करते हैं- इन सबका सीधा संबंध कार्बन उत्सर्जन से है। इसलिए समाधान भी केवल सरकारों से नहीं आएगा। जब तक व्यक्ति स्वयं अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेगा, तब तक कोई नीति पर्याप्त नहीं होगी।

इसीलिए मुझे लगता है कि आज दुनिया को सबसे अधिक आवश्यकता क्लाइमेट सत्याग्रह की है। सत्याग्रह का अर्थ केवल विरोध नहीं, बल्कि सत्य पर आग्रह है। आज का सबसे बड़ा सत्य यह है कि पृथ्वी सीमित है, इसलिए हमारा जीवन और उपभोग भी सीमित होना चाहिए। क्लाइमेट सत्याग्रह का अर्थ है स्वेच्छा से सीमित और जिम्मेदार जीवन अपनाना; अपनी जरूरत और लालच के बीच अंतर समझना; और प्रकृति के संसाधनों का उपयोग अधिकार नहीं, जिम्मेदारी की तरह करना।

यदि हम क्लाइमेट सत्याग्रह अपनाते हैं, तो यह हमारी तीनों गलतियों का समाधान बन सकता है। यह हमें असीमित उपभोग की दौड़ से बाहर निकालकर संतुलित जीवन की ओर ले जाएगा। और सबसे महत्वपूर्ण, यह लोगों को दर्शक नहीं बल्कि समाधान का भागीदार बनाएगा। अब समय केवल चर्चा का नहीं, व्यक्तिगत जिम्मेदारी का है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

यूएस को अपना रणनीतिक साझेदार समझना भूल होगी

ब्रह्मा चेलानी पॉलिसी फॉर सेंटर रिसर्च के प्रोफेसर एमेरिटस भारत की अपनी हालिया यात्रा के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत को अमेरिका के सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारों में से एक बताया, लेकिन साझेदारी की यह परिचित भाषा अब दिन-ब-दिन खोखली लगती जा रही है। ट्रम्प के बयानों और टैरिफों के भारत-अमेरिका संबंधों पर पड़े प्रभावों के बारे में बहुत कुछ कहा गया है। लेकिन द्विपक्षीय संबंध ट्रम्प के व्हाइट हाउस में लौटने से बहुत पहले से ही दबाव में थे।

हाल के वर्षों में, जैसे-जैसे चीन के बढ़ते रणनीतिक दायरे से भारत की क्षेत्रीय स्थिति कमजोर हुई है, वहीं अमेरिका ने भी दक्षिण एशिया क्षेत्र में ऐसी नीतियां अपनाई हैं, जिन्होंने भारतीय हितों को नजरअंदाज किया है- और कभी-कभी तो वे सीधे तौर पर उनके विपरीत रही हैं।

बांग्लादेश इसका एक स्पष्ट उदाहरण है। 2024 में शेख हसीना के पलायन के बाद अमेरिका ने शासन-परिवर्तन का समर्थन किया। लेकिन भारत जानता था कि इससे गंभीर खतरे पैदा होंगे, जो कि हुए भी। फिर म्यांमार है। 2021 में सेना द्वारा वहां की नागरिक सरकार को उखाड़ फेंकने के बाद से ही अमेरिका ने सैन्य-सत्ता के प्रति दंडात्मक दृष्टिकोण बनाए रखा है, जिसमें कड़े प्रतिबंध और विद्रोही समूहों के लिए सैन्य सहायता शामिल है, बावजूद इसके कि इसने भारत की संवेदनशील उत्तर-पूर्वी सीमा पर सुरक्षा जोखिम पैदा किए हैं।

विगत मार्च में ही एक अमेरिकी नागरिक को छह यूक्रेनी नागरिकों के साथ कथित तौर पर बिना परमिट के पूर्वोत्तर में प्रवेश करने और ड्रोन युद्ध के लिए सत्ता-विरोधी लड़ाकों को प्रशिक्षित और सशस्त्र करने के लिए म्यांमार में घुसने के आरोप में भारत में गिरफ्तार किया गया था।

अमेरिका ने नेपाल को भी अपनी भारत-नीति के हिस्से के रूप में देखने के बजाय रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में देखना शुरू कर दिया है। हाल के वर्षों में, उच्च-स्तरीय अमेरिकी अधिकारियों ने काठमांडू का दौरा कई बार किया है, नई दिल्ली में रुके बिना, जैसी अतीत में परम्परा रही थी।

ट्रम्प ने हालात को और बदतर बना दिया है, खासकर पाकिस्तान के साथ अमेरिका के रिश्तों को आगे बढ़ाकर। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि पाकिस्तान आतंकवादी समूहों की सुरक्षित पनाहगाह बना हुआ है और साथ ही उन्हें सैन्य और खुफिया सहायता प्रदान करना जारी रखे हुए है।

ट्रम्प के परिवार के सदस्यों और व्यापारिक सहयोगियों ने इसके बावजूद वहां मुनाफे के सौदे किए हैं। अमेरिका ने तो अब चीन के प्रति भी सुलहभरा, उदार दृष्टिकोण अपनाना शुरू कर दिया है। हालांकि दोनों महाशक्तियों में सामरिक प्रतिस्पर्धा बनी हुई है, लेकिन कुछ क्षेत्रों में ट्रम्प के हालिया समझौतों ने काफी अनिश्चितता पैदा कर दी है- खासकर भारत के लिए।

जहां अमेरिका लंबे समय से भारत को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीनी प्रभुत्व के खिलाफ एक महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक ढाल के रूप में देखता रहा है, वहीं वह भारत के क्षेत्रीय प्रभुत्व के विचार से भी हिचकिचाता है। जैसा कि अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री समीर पॉल कपूर ने फरवरी में कहा था, अमेरिका किसी भी एक शक्ति को दक्षिण एशिया में बहुत अधिक प्रभाव हासिल करने से रोकने की कोशिश कर रहा है। कपूर की टिप्पणियां ट्रम्प प्रशासन की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति (एनएसएस) की ही प्रतिध्वनि थीं, जिसके अनुसार अमेरिका किसी भी राष्ट्र को इतना प्रभुत्वशाली बनने की अनुमति नहीं दे सकता कि वह अमेरिकी हितों को खतरे में डाल सके।

अमेरिकी उप विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडाउ ने हाल ही में नई दिल्ली की अपनी यात्रा के दौरान कहा कि हम भारत के साथ वही गलतियां नहीं करने जा रहे हैं, जो हमने 20 साल पहले चीन के साथ की थीं। संदेश स्पष्ट है : अमेरिका अब भारत को रणनीतिक भागीदार कम और एक क्षेत्रीय व आर्थिक प्रतिद्वंद्वी ज्यादा मानता है, जिसे रोकना है। हमें इस नई वास्तविकता के अनुकूल ढलना होगा, जो हमारी रणनीतिक सोच में एक मौलिक बदलाव की मांग करती है।

अमेरिका साफ कहता है कि हम भारत के साथ वही गलतियां नहीं करने जा रहे हैं, जो 20 साल पहले चीन के साथ की थीं। संदेश स्पष्ट है : अमेरिका अब भारत को रणनीतिक भागीदार कम और क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी ज्यादा मानता है।

(@ प्रोजेक्ट सिंडिकेट)

कोर्ट में एआई के असुरक्षित इस्तेमाल से मुश्किलें बढ़ेंगी

अदालतों में एआई के इस्तेमाल के लिए सुप्रीम कोर्ट ने नियमों का मसौदा जारी किया है। लेकिन मुकदमों के बोझ से दबी अदालतों में एआई के तदर्थ इस्तेमाल से मुश्किलें और विवाद बढ़ सकते हैं। इनसे जुड़े 4 पहलुओं को समझना जरूरी है :

1. संविधान के अनुच्छेद-145 के अनुसार सुप्रीम कोर्ट को नियम बनाने का अधिकार है।

उसके तहत राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट नियम 2013 को मंजूरी दी थी। लेकिन एआई के मसौदे में यह नहीं लिखा कि किस कानून के अनुसार इन्हें बनाया गया है। जिला अदालतें राज्यों के हाई कोर्ट के अधीन हैं। लेकिन हाईकोर्टों को सुप्रीम कोर्ट के अधीन नहीं माना जाता है।

अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के गठन से बड़े पैमाने पर न्यायिक सुधार हो सकता है। लेकिन उसके लिए भी सुप्रीम कोर्ट न्यायिक आदेश जारी नहीं कर रहा। इसलिए सुप्रीम कोर्ट के प्रशासनिक आदेश से हाईकोर्टों और जिला अदालतों में एआई लागू करने से संवैधानिक संकट की स्थिति बन सकती है।

2. बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अनुसार एआई को कानूनी मान्यता नहीं है। इसलिए एडवोकेट्स एक्ट के तहत एआई से बनाई गई किसी भी गलत सामग्री के लिए वकील ही जिम्मेदार होंगे। भारत में अभी तक डेटा सुरक्षा कानून और उससे जुड़े नियम लागू नहीं हैं। लंबित और पुराने मामलों में करोड़ों लोगों के संवेदनशील न्यायिक और निजी डेटा का एआई के माध्यम से व्यावसायिक इस्तेमाल असंवैधानिक होगा। इससे पहले वादकारियों और वकीलों की सहमति जरूरी है। अनेक जज एआई के दुरुपयोग से बढ़ रही अराजकता के खिलाफ चिंता जाहिर कर चुके हैं। पंजाब, हरियाणा हाईकोर्ट ने सभी जिला अदालतों को आदेश दिया है कि एआई प्लेटफॉर्मों का कानूनी रिसर्च और न्यायिक फैसलों में इस्तेमाल नहीं हो सकता।

3. कोरोना के दौरान अदालतों में आनन-फानन में ऑनलाइन सुनवाई और मुकदमों का सीधा प्रसारण शुरू हो गया था। लेकिन 2018 में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस दीपक मिश्रा के फैसले के अनुसार अभी तक नियमों में जरूरी बदलाव नहीं हुए। न्यायिक सुनवाई के डेटा के व्यावसायिक इस्तेमाल को रोकने के लिए स्पष्ट नियमों के अभाव से न्यायिक प्रशासन पर हमले बढ़ रहे हैं। अदालतों में वॉट्सएप, जूम और यू-ट्यूब जैसे विदेशी प्लेटफॉर्मों के असुरक्षित इस्तेमाल के खिलाफ संघ विचारक केएन गोविन्दाचार्य ने याचिका दायर की थी। चीफ जस्टिस चन्द्रचूड़ ने कहा था दो साल के भीतर स्वदेशी टेक प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल होगा। लेकिन अभी तक अमल नहीं हुआ।

4. एआई के सभी बड़े प्लेटफॉर्म विदेशी हैं। भारत की बैंकिंग प्रणाली को माइथोस जैसी एआई की सुनामी से बचाने के लिए वित्त मंत्री चिंताग्रस्त हैं। एआई के दुरुपयोग को रोकने के लिए आईटी एक्ट में भी स्पष्ट प्रावधान नहीं हैं। मसौदे में डेटा की सुरक्षा और शिकायत निवारण के जरूरी प्रावधान नहीं होने से जिला अदालतों में वकील और जजों की उलझनें बढ़ सकती हैं। प्रधानमंत्री ने तकनीक और एआई के इस्तेमाल से गरीब कैदियों की रिहाई और मुकदमों के बोझ से मुक्ति का आह्वान किया था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के मसौदे में एआई के माध्यम से न्यायिक सुधार, छोटे मुकदमों के जल्द निस्तारण और आम जनता को जल्द न्याय देने का रोडमैप नहीं है। जिला अदालतों में पानी, शौचालय और बैठने की बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं। फिर एआई के लिए इन्फ्रा कैसे विकसित होगा?

एआई के संस्थागत इस्तेमाल के लिए न्यायिक व्यवस्था से जुड़े पांचों स्तम्भों- जनता, सरकार, न्यायिक प्रशासन, वकील और जजों के साथ परामर्श जरूरी है। उसके अनुसार ही संसद से कानून बने और सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्टों के नियमों में बदलाव हो।

अभी तक डेटा सुरक्षा कानून और उससे जुड़े नियम ही लागू नहीं हुए हैं। लंबित और पुराने मामलों में करोड़ों लोगों के संवेदनशील न्यायिक और निजी डेटा का एआई के माध्यम से व्यावसायिक इस्तेमाल असंवैधानिक होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

एक नया इतिहास : सेवा, समर्पण और निरंतरता के 4399 दिन

10 जून 2026 को स्वतंत्र भारत के इतिहास में लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा करने वाले प्रधानमंत्री के रूप में यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय 3नरेंद्र मोदी जी द्वारा एक अद्वितीय कीर्तिमान स्थापित किया जा रहा हैं. इस गौरवपूर्ण अवसर पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं.

इसी पावन अवसर पर वार्ड क्रमांक 11, कृष्णा नगर, नगर पंचायत खरोरा में विभिन्न जनहितकारी एवं प्रेरणादायी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें – स्वच्छता अभियान,एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण कार्यक्रम.जल संरक्षण एवं जल संवर्धन हेतु जन-जागरूकता कार्यक्रम. वार्डवासियों को डस्टबिन वितरण किया गया. पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल सोनी जी ने बताया इस कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नवीन अग्रवाल जी, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमति सुनीता अनिल सोनी जी, नगर पंचायत सीएमओ सर,जिला अध्यक्ष श्रीमति रश्मि वर्मा महिला मोर्चा,मंडल महामंत्री घनश्याम चंद्राकरजी,पार्षद वार्ड नंबर 11 एवं पिछड़ा वर्ग मोर्चा अध्यक्ष श्री पंचराम यादव जी, पार्षद वार्ड नंबर 12श्री पूर्णेन्द्र पाध्याय जी, श्रीमति पूर्णिमा धनकर जी एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता, वार्डवासी जनप्रतिनिधि उपस्थित रहें.

बार-बार खाते खुलवाने वालों पर पुलिस की नजर

रायपुर। साइबर ठगी के बढ़ते मामलों के बीच रायपुर पुलिस अब उन लोगों पर नजर रखने की तैयारी में है, जो अलग-अलग बैंकों में बार-बार खाते खुलवाते हैं। इसके साथ ही हर बैंक में कानूनी मामलों के लिए अलग अधिकारी नियुक्त करने और स्थायी संपर्क नंबर जारी करने की भी तैयारी की जा रही है।

इन्हीं मुद्दों को लेकर रायपुर में सभी प्रमुख बैंकों के नोडल अधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में साइबर अपराधों में इस्तेमाल होने वाले बैंक खातों, संदिग्ध लेन-देन और ठगी की रकम को जल्द रोकने के उपायों पर चर्चा की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि, साइबर फ्रॉड के अधिकांश मामलों में ठग फर्जी या किराए पर लिए गए बैंक खातों का इस्तेमाल करते हैं। कई मामलों में एक ही व्यक्ति अलग-अलग बैंकों में कई खाते खुलवाता है। ठगी की रकम को तेजी से एक खाते से दूसरे खाते में ट्रांसफर कर देता है। इसी वजह से बैंकों को ऐसे खाताधारकों की पहचान कर उनकी जानकारी पुलिस के साथ साझा करने को कहा गया है।

रायपुर के कई क्षेत्रों में आज नहीं मिलेगा शाम का पानी

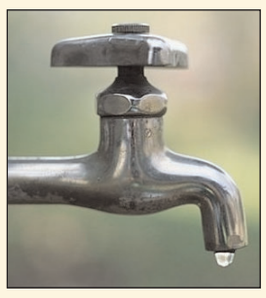

रायपुर। राजधानी रायपुर के कई क्षेत्रों में 11 जून की शाम पेयजल आपूर्ति प्रभावित रहेगी। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा रावणभाटा उपकेंद्र में 33 केवी फीडर के संधारण और केबल कनेक्शन कार्य के कारण इंटेकवेल एवं फिल्टर प्लांट बंद रहेंगे। इसके चलते 42 जलागारों से होने वाली शाम की जलापूर्ति नहीं हो सकेगी।

नगर निगम जलकार्य विभाग के अनुसार रावणभाटा उपकेंद्र में 33 केवी लाइन के 10 पोल स्ट्रक्चर के बीच डाली गई भूमिगत केबल को मुख्य लाइन से जोड़ा जाएगा। इस कार्य के दौरान बिजली आपूर्ति बाधित रहने से 80 एमएलडी, न्यू 80 एमएलडी और 150 एमएलडी फिल्टर प्लांट संचालित नहीं हो पाएंगे।

इसका असर डंगनिया, गुढ़ियारी, तेलीबांधा, शंकर नगर, खमतराई, भनपुरी, डीडी नगर, सरोना, टाटीबंध, कोटा, कबीर नगर, लालपुर, अमलीडीह, अवंति विहार, मोवा, सड्डू, बोरियाकला, रायपुरा, जोरा, देवेंद्र नगर, संजय नगर समेत 42 जलागारों से जुड़े क्षेत्रों पर पड़ेगा। इन इलाकों में 11 जून की सुबह जलापूर्ति होने के बाद शाम को पानी नहीं मिलेगा।

नगर निगम ने बताया कि 12 जून की सुबह से जलापूर्ति व्यवस्था सामान्य कर दी जाएगी। अन्य जलागारों और पावर पंपों से पानी की सप्लाई पूर्ववत जारी रहेगी।

निगम ने प्रभावित क्षेत्रों के नागरिकों से अपील की है कि वे 11 जून की सुबह पर्याप्त मात्रा में पानी का भंडारण कर लें, ताकि शाम के समय किसी प्रकार की परेशानी न हो।

रायपुर के अवंति विहार पार्क पर अवैध कब्जाः

स्थानीय बोले- जमीन गार्डन के लिए आरक्षित, रूट के आदेश का उल्लंघन; महापौर बोलीं- जांच होगी

रायपुर। रायपुर के अवंति विहार सेक्टर-2 में पार्क-गार्डन के लिए आरक्षित जमीन पर अवैध कब्जे और नए निर्माण कार्यों को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। कॉलोनी वासियों ने महापौर मीनल चौबे से शिकायत कर कहा कि, मेयर को अंधेरे में रखा गया, गलत जानकारी देकर घोषणाएं कराई गई।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि, श्री श्री दुर्गा सेवा समिति का दुर्गा मैदान की जमीन पर पहले से ही अवैध निर्माण है। अब नए निर्माण कार्यों की घोषणा की जा रही है, जो कि नियमों के खिलाफ है। स्थानीय लोगों ने सुप्रीम कोर्ट और छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के आदेशों का हवाला देते हुए निर्माण कार्यों पर रोक लगाने की मांग की है।

रहवासियों ने कहा कि जिस जमीन को टाउन एंड कंट्री प्लानिंग ने पार्क और ओपन स्पेस के रूप में आरक्षित किया था, उसका मूल स्वरूप लगातार खत्म किया जा रहा है। इस पर मेयर चौबे ने कहा कि शिकायत मिली है, इसकी जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वहीं, समिति के सचिव ने अवैध कब्जे की बात को खारिज किया है।

रहवासियों का कहना है कि, यह विवाद नया नहीं है। साल 2023 में भी उन्होंने दुर्गा मैदान में हुए निर्माण और अतिक्रमण को लेकर शिकायत की थी। इसके बावजूद स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया।

रायपुर में स्ट्रीट डॉग्स को लेकर नया नियम

अब तय जगहों पर ही खिला सकेंगे आवारा कुत्तों को खाना, हाईकोर्ट के आदेश के बाद कार्रवाई

रायपुर। रायपुर में आवारा कुत्तों को खाना खिलाने को लेकर अक्सर होने वाले विवादों के बीच नगर निगम ने बड़ा कदम उठाया है। हाईकोर्ट के आदेश के पालन में शहर के सभी 70 वार्डों में स्ट्रीट डॉग्स के लिए फीडिंग जोन तय कर दिए हैं। इन स्थानों पर सूचना बोर्ड भी लगाए गए हैं, जिससे लोग निर्धारित जगहों पर ही कुत्तों को खाना खिला सकें।

निगम अधिकारियों के मुताबिक, फीडिंग जोन का उद्देश्य पशु प्रेमियों और स्थानीय रहवासियों के बीच होने वाले विवादों को कम करना है। साथ ही आवारा कुत्तों के प्रबंधन और निगरानी को भी व्यवस्थित किया जा सकेगा।

शहर के सभी जोनों में बनाए गए फीडिंग जोन

नगर निगम ने जोन-1 से लेकर जोन-10 तक सभी वार्डों में स्थान चिन्हित किए हैं। इनमें बाजार, मैदान, तालाब, सामुदायिक भवन, मुक्तिधाम और खाली प्लॉट जैसी जगहों

को फीडिंग जोन के रूप में तय किया गया है। निगम का कहना है कि इन स्थानों पर लोग आवारा कुत्तों को भोजन दे सकेंगे। इसके लिए आवश्यक सूचना बोर्ड भी लगाए जा चुके हैं।

आवारा कुत्तों की शिकायतों पर भी होगी कार्रवाई

निगम ने स्पष्ट किया है कि आवारा कुत्तों से जुड़ी शिकायतों पर पहले की तरह कार्रवाई जारी रहेगी। शिकायत मिलने पर संबंधित क्षेत्र से कुत्तों को पकड़कर एनिमल बर्थ कंट्रोल नियमों के तहत उनकी जांच की जाएगी।

इसके तहतः

डी-वॉर्मिंग (कृमिनाशक उपचार)
एंटी रेबीज टीकाकरण
नसबंदी (बधियाकरण)
जैसी प्रक्रियाएं कराई जा रही हैं।

क्यों जरूरी पड़े फीडिंग जोन?

रायपुर के कई इलाकों में आवारा कुत्तों को खाना खिलाने को लेकर रहवासियों और पशु प्रेमियों के बीच विवाद की स्थिति बनती रही है। कई मामलों में शिकायतें भी निगम तक पहुंचीं। ऐसे में हाईकोर्ट के निर्देशों के बाद निगम ने पूरे शहर में तय स्थान चिन्हित कर दिए हैं, ताकि भोजन कराने की व्यवस्था नियंत्रित और व्यवस्थित तरीके से हो सके।

अपने वार्ड का फीडिंग जोन कैसे जानें?

निगम के अनुसार सभी 70 वार्डों में फीडिंग जोन तय किए गए हैं। संबंधित वार्ड के सूचना बोर्ड और जोन कार्यालयों में इसकी जानकारी उपलब्ध है। नागरिक अपने क्षेत्र के जोन कार्यालय से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

कुछ संविदा कर्मचारियों के व्यवहार से हो रही है बिजली विभाग की बदनामी

खरोरा नगर के एक किसान द्वारा बिजली विभाग में अपनी समस्या को लेकर विधिवत शिकायत दर्ज कराई गई। किसान ने बताया कि उसने हाल ही में लगभग 65 हजार रुपये के पौधे खरीदे थे, जिन्हें समय पर सिंचाई की आवश्यकता थी। इसी दौरान उसकी बाड़ी में लगा बोरवेल का सबमर्सिबल पंप खराब हो गया, जिसके कारण सिंचाई कार्य पूरी तरह बाधित हो गया।

किसान के अनुसार, समस्या की गंभीरता को देखते हुए उसने तत्काल बिजली विभाग में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन *शिकायत दर्ज होने के लगभग 12 घंटे बाद भी विभाग की ओर से समस्या के समाधान के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई।* इस पर किसान ने संबंधित कर्मचारियों से शीघ्र समस्या के निराकरण का अनुरोध किया और कहा कि यदि उसकी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वह विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष शिकायत करेगा।

आरोप है कि इस दौरान संविदा लाइनमैन के पद पर कार्यरत रोहित कश्यप* ने किसान के साथ अभद्र व्यवहार किया। किसान का कहना है कि कर्मचारी ने उससे कहा, * 'मेरे खिलाफ न सांसद कुछ कर सकते हैं और न ही विधायक। तुम्हें जहां शिकायत करनी है, कर लो। मैं पहले अपना काम करूंगा, उसके बाद तुम्हारा काम देखूंगा। किसान द्वारा पुनः निवेदन किए जाने पर संबंधित संविदा कर्मचारी कथित रूप से *गाली-गलौज पर उतर आया।* इसके बाद किसान ने तत्काल इस पूरे मामले की शिकायत विभाग के वरिष्ठ अधिकारी वर्मा से की। शिकायत प्राप्त होने के बाद वर्मा जी के निर्देश पर संबंधित समस्या का समाधान कराया गया।

यह घटना कई गंभीर सवाल खड़े करती है। आखिर *संविदा कर्मचारी उपभोक्ताओं और किसानों के साथ इस प्रकार का व्यवहार क्यों कर रहे हैं? क्या उपभोक्ता बिजली सेवा का लाभ निःशुल्क प्राप्त कर रहे हैं, अथवा कर्मचारियों का यह दायित्व नहीं है कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन शालीनता और संवेदनशीलता के साथ करें?

किसान का आरोप है कि संबंधित कर्मचारी ने यह भी कहा कि 'मैं तुम्हारा नौकर नहीं हूं।' ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या इस प्रकार का व्यवहार किसी भी सरकारी विभाग के कर्मचारी, विशेषकर आम जनता से सीधे जुड़े बिजली विभाग के कर्मचारियों को शोभा देता है?

एक ओर सरकार किसानों और आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। राज्य सरकार द्वारा भी विभिन्न माध्यमों से शिकायत निवारण की व्यवस्था की गई है, ताकि जनता को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

खरोरा वेयर हाउस निरीक्षण में पहुंचे राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष

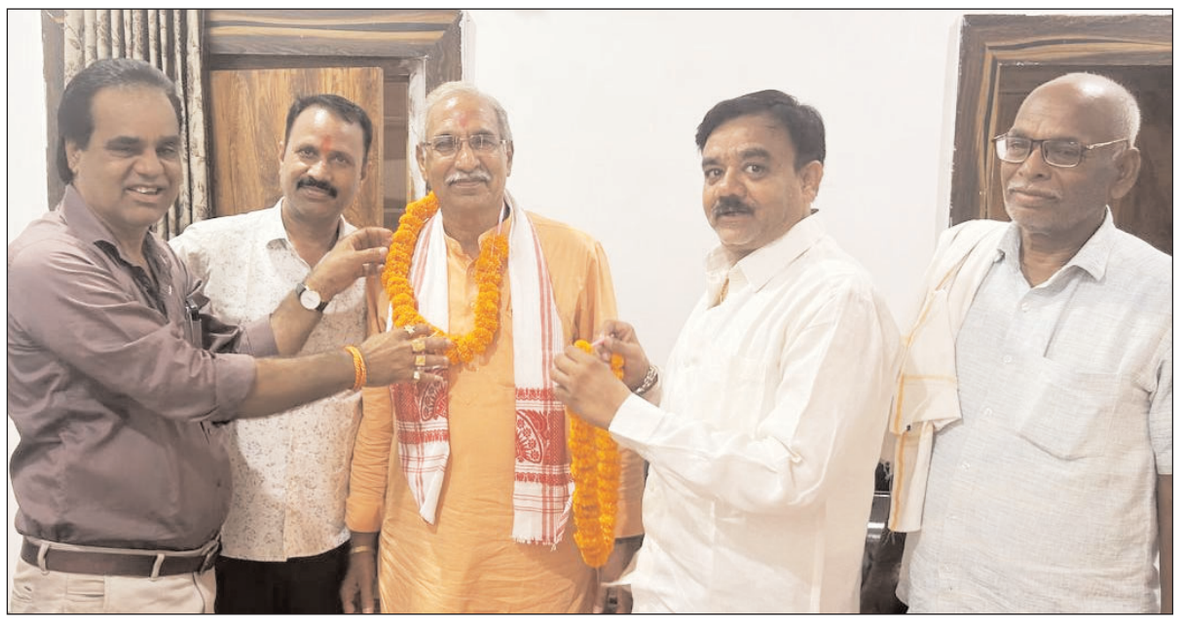

खरोरा। छत्तीसगढ़ राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त पूर्व सांसद चन्दूलाल साहू एकदिवसीय दौरे पर खरोरा पहुंचे। अपने प्रवास के दौरान स्थानीय विश्रामगृह में कार्यकर्ताओं से भेंट मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने संगठन में चल रहे विभिन्न गतिविधियों पर कार्यकर्ताओं से विस्तृत विचार विमर्श किया तथा सभी कार्यकर्ताओं से केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी एवं दिशा निर्देश दिए। मोदी जी के प्रधानमंत्री कार्यकाल के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चल रही विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में कार्यकर्ताओं को दिशा निर्देश दिए। इसके उपरांत अध्यक्ष चंदूलाल साहू ने खरोरा स्थित छत्तीसगढ़ स्टेट वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन का निरीक्षण करते हुए खरोरा के कार्यालयीन रिकॉर्ड गोदाम में संग्रहित चावल, गोदाम साफ सफाई, रखरखाव चावल के भंडारण का अधिकारियों को दिशा निर्देश जारी किए एवं खरोरा के गोदाम में भंडारण क्षमता के बारे में भी अधिकारियों से पूछताछ की । उन्होंने कड़े शब्दों में निर्देश देते हुए कहा कि चावल के भंडारण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही गोदाम में रखे हुए चावल का भी सैंपल लिया। किसान मोर्चा प्रदेश कार्य समिति सदस्य एवं प्राथमिक सहकारी समिति खरोरा के पूर्व अध्यक्ष रमेश शर्मा ने खाद्यान्न की भंडारण की क्षमता को देखते हुए अतिरिक्त गोदाम निर्माण की मांग की है। इस संबंध में अध्यक्ष ने कहा कि छत्तीसगढ़ स्टेट वेयर हाउसिंग कॉरपोरेशन द्वारा 36 शाखाओं पर 234 हजार मेट्रिक टन के नवीन गोदाम का निर्माण कार्य वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन द्वारा माननीय अध्यक्ष महोदय की अध्यक्षता पर बनाया जा रहा है। उक्त नवीन गोदाम की गोदाम निर्माण लागत 160 करोड रुपए की है। इसके निर्माण कार्य राशि का संपूर्ण व्यय राशि का भुगतान वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन द्वारा किया जाएगा ।इसके टेंडर इत्यादि जारी करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। वहां कार्यरत कर्मचारियों ने गोदाम की समस्या एवं विभिन्न पहलुओं पर अध्यक्ष को अवगत कराया। गोदाम में कार्यरत हमालों ने विभिन्न समस्याओं से अवगत करवाते हुए कहा कि यहां पानी और शौचालय की मरम्मत करने की सख्त जरूरत है जिसे शीघ्र पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस एक दिवसीय प्रवास के दौरान नरेंद्र सिंह ठाकुर , रमेश शर्मा, सुमित सेन,अनिल सोनी, सुरेंद्र वर्मा, घनश्याम चंद्राकर, दीपक धनकर, सूरज सोनी,सावन शर्मा, रश्मि वर्मा, शकुंतला कोसले, पूर्णिमा धनकर एवं नान गोदाम के शाखा प्रबंधक प्रमोद कुमार गर्ग, गोदाम प्रभारी पुष्पेंद्र पाध्याय, मनोज वर्मा, मोरध्वज के साथ ही नान के अधिकारी कर्मचारी एवं हमाल उपस्थित थे।

किराए
पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY
BUY NOW >
CALL 9770888888

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन आपके लिए नई शुरुआत और सकारात्मक अवसरों का संकेत लेकर आया है। यदि आप किसी नए कार्य, व्यवसाय या परियोजना को शुरू करने की योजना बना रहे हैं तो समय अनुकूल है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और आत्मविश्वास का अच्छा परिणाम देखने को मिलेगा। आर्थिक मामलों में लाभ के योग बन रहे हैं, जिससे आपकी वित्तीय स्थिति मजबूत हो सकती है।

वृषभ। आज प्रेम संबंधों और वैवाहिक जीवन में थोड़ी सावधानी बरतने की आवश्यकता है। छोटी-छोटी बातों को लेकर मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं, इसलिए संवाद में संयम बनाए रखें। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं और वरिष्ठ अधिकारियों की अपेक्षाएं भी अधिक रहेंगी। हालांकि आपकी मेहनत और लगन आपको इन चुनौतियों से सफलतापूर्वक बाहर निकालने में मदद करेगी।

मिथुन। आज का दिन आपके लिए प्रगति और उपलब्धियों से भरा रह सकता है। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है, जिससे राहत और संतोष का अनुभव होगा। व्यापारियों के लिए दिन विशेष रूप से लाभदायक रहेगा और नए सौदों से आर्थिक लाभ प्राप्त हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों को भी कार्यस्थल पर सहयोग और सम्मान मिलेगा।

कर्क। आज का दिन करियर और मानसिक शांति दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण रहने वाला है। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की या नई जिम्मेदारियां मिलने के संकेत हैं। आपके कार्यों की सराहना होगी और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। मानसिक रूप से आप स्वयं को काफी शांत और संतुलित महसूस करेंगे। किसी पुराने तनाव से राहत मिल सकती है। आर्थिक मामलों में निवेश करने से पहले सोच-विचार अवश्य करें और जोखिम भरे निर्णयों से बचें।

सिंह। आज आपका आत्मविश्वास और ऊर्जा दोनों उच्च स्तर पर रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों की सराहना होगी और मान-सम्मान में वृद्धि के योग बन रहे हैं। यदि आप किसी महत्वपूर्ण कार्य को पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं तो सफलता मिलने की संभावना है। आर्थिक दृष्टि से भी दिन अच्छा रहेगा। पुराने निवेश से लाभ प्राप्त हो सकता है या कोई रुका हुआ धन वापस मिलने की संभावना है। परिवार में खुशियों का माहौल बना रहेगा और प्रियजनों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा।

कन्या। आज का दिन आपके लिए मिश्रित परिणाम लेकर आ सकता है। कार्यक्षेत्र में सामान्य स्थिति बनी रहेगी, लेकिन किसी भी प्रकार के विवाद या बहस से दूर रहना आपके लिए बेहतर रहेगा। छोटी-छोटी बातों पर प्रतिक्रिया देने के बजाय धैर्य और समझदारी से काम लें। स्वास्थ्य में कुछ हल्के बदलाव महसूस हो सकते हैं, इसलिए खान-पान और दिनचर्या पर विशेष ध्यान दें।

तुला। आज का दिन साझेदारी और सहयोग से जुड़े कार्यों के लिए बेहद शुभ रहने वाला है। यदि आप किसी साझेदारी वाले व्यवसाय में हैं तो अच्छे लाभ की संभावना है। आय के नए स्रोत खुल सकते हैं, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कार्यक्षेत्र में आपके विचारों और योजनाओं को सराहना मिलेगी। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा और घर का वातावरण खुशहाल रहेगा।

वृश्चिक। आज का दिन आपके लिए चुनौतियों पर विजय प्राप्त करने का संकेत दे रहा है। शत्रु या विरोधी आपके सामने टिक नहीं पाएंगे और आप अपने आत्मविश्वास के बल पर सफलता प्राप्त करेंगे। यदि किसी प्रकार का कर्ज या आर्थिक दबाव चल रहा है तो उससे राहत मिलने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने का समय है।

धनु। आज भाग्य का पूरा साथ मिलने के कारण कई रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में आपकी रुचि बढ़ेगी, जिससे मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव होगा। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा या पूजा-पाठ में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। लंबी यात्रा के योग बन रहे हैं, जो भविष्य में लाभदायक सिद्ध हो सकती है। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी और नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों को सराहना मिलेगी।

मकर। आज आपको स्वास्थ्य और खर्चों दोनों मामलों में सावधानी बरतने की आवश्यकता है। छोटी-छोटी स्वास्थ्य समस्याओं को नजरअंदाज न करें और समय पर उचित देखभाल करें। आर्थिक मामलों में अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी होगा, अन्यथा बजट प्रभावित हो सकता है। कार्यक्षेत्र में सामान्य स्थिति बनी रहेगी, लेकिन धैर्य और मेहनत से आप अपने कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा कर पाएंगे। परिवार के सदस्यों के साथ मधुर व्यवहार बनाए रखें, इससे रिश्ते मजबूत होंगे।

कुंभ। आज का दिन रचनात्मक और नवाचार से जुड़े कार्यों के लिए बेहद अनुकूल है। आपकी कल्पनाशक्ति और प्रतिभा लोगों को प्रभावित कर सकती है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और रुका हुआ धन प्राप्त होने के संकेत हैं। कार्यक्षेत्र में नई योजनाओं पर काम शुरू करने के लिए समय अच्छा है। व्यापारियों को लाभ के नए अवसर मिल सकते हैं। परिवार के साथ समय सुखद रहेगा और घर का वातावरण सकारात्मक बना रहेगा। मित्रों और सहयोगियों का पूरा समर्थन मिलेगा।

मीन। आज का दिन मानसिक शांति और संतोष लेकर आएगा। लंबे समय से चला आ रहा तनाव कम होने से आप स्वयं को हल्का और सकारात्मक महसूस करेंगे। आर्थिक योजनाएं सफल होने के संकेत हैं और धन संबंधी मामलों में लाभ प्राप्त हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा तथा वरिष्ठों का सहयोग प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन में खुशियां बढ़ेंगी और जीवनसाथी के साथ संबंध अधिक मधुर होंगे। परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में अच्छे अवसर मिल सकते हैं। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, फिर भी नियमित व्यायाम और संतुलित आहार का ध्यान रखें। किसी पुराने कार्य में सफलता मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

जमीन विवाद में बंदोबस्त अधिकारी को खींच ले गई भीड़

दुमका में 300 मीटर दूर आयुक्त कार्यालय पैदल चलाए गए अधिकारी

गोड्डा। दुमका स्थित संथाल परगना बंदोबस्त कार्यालय में जमीन विवाद को लेकर जमकर हंगामा हुआ। गोड्डा जिले के तेतरिया गांव से पहुंचे ग्रामीणों ने सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी मनोज कुमार को उनके चैंबर से जबरन बाहर निकाला। इसके बाद करीब 300 मीटर दूर प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय तक खींचकर ले गए। मामला मंगलवार का है।

अब इस मामले का वीडियो वायरल हो रहा है। इस पूरे मामले के दौरान कार्यालय परिसर में अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। आक्रोशित लोगों का कहना है कि अधिकारी ने टाइटल सूट से जुड़े जमीन विवाद में एकतरफा फैसला सुनाते हुए विपक्षी पक्ष के पक्ष में आदेश पारित कर दिया, जबकि उनके पास पर्याप्त साक्ष्य मौजूद थे। घटना के दौरान काफी देर तक कार्यालय का कामकाज प्रभावित रहा।

आंदोलन कर रहे लोगों का नेतृत्व सुकरी देवी कर रही थीं। उन्होंने बताया कि वे अपने समर्थकों के साथ गोड्डा से दुमका न्याय की उम्मीद लेकर पहुंचे थे, लेकिन उन्हें निराशा हाथ लगी। उनका कहना था कि विवादित जमीन मामले में उनके पक्ष में मजबूत दस्तावेज और साक्ष्य होने के बावजूद सहायक बंदोबस्त अधिकारी ने उदय कृष्ण सिंह के पक्ष में फैसला दे दिया।

इससे नाराज होकर ग्रामीणों का गुस्सा भड़क उठा। उन्होंने अधिकारी को उनके कार्यालय से बाहर निकालते हुए प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय तक ले जाकर अपनी शिकायत दर्ज कराई। उस समय आयुक्त की अनुपस्थिति में उनके सचिव अमित कुमार के समक्ष पूरे मामले को रखा गया।

घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन सक्रिय हो गया। प्रमंडलीय आयुक्त के सचिव ने मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर थाना प्रभारी और एसडीपीओ को तुरंत कार्यालय बुलाया। दोनों पक्षों की मौजूदगी में बैठक कर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया। सचिव ने सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी को निर्देश दिया कि वे मामले से जुड़े सभी अभिलेख, दस्तावेज और पारित आदेश की प्रति प्रस्तुत करें।

साथ ही, पीड़ित पक्ष को प्रमंडलीय आयुक्त के नाम लिखित आवेदन देने को कहा गया। वहीं, अधिकारी मनोज कुमार ने भी आक्रोशित ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि वे पूरे मामले को उच्च अधिकारियों के समक्ष रखेंगे ताकि निष्पक्ष और न्यायसंगत सुनवाई सुनिश्चित की जा सके।

पांच लोगों को किया गया अरेस्ट

इधर हंगामे के बाद नगर थाना की पुलिस त्वरित कार्रवाई करते हुए सुकरी देवी की बेटी डोली कुमारी, रूपा देवी, रोमा कुमारी एवं देव ऋषि लायक को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्यवाही उस समय हुई जब आयुक्त के नाम से आवेदन तैयार करने के लिए कोर्ट परिसर के पास टाइपिंग कराने जा रही थी। इसी दौरान नगर थाना की पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। वहीं 40 से 50 अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज किया गया है।

धनबाद के टुंडी में हाथियों का उत्पात जारीः ब्लिंकिंग लाइट से रोकने की तैयारी, ग्रामीण भयभीत

धनबाद। टुंडी क्षेत्र में जंगली हाथियों का उत्पात लगातार बढ़ रहा है, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल है। इस समस्या से निपटने के लिए जिला प्रशासन अब ब्लिंकिंग लाइट तकनीक अपनाने की तैयारी कर रहा है। इसका उद्देश्य हाथियों को गांवों में आने से रोकना और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करना है।

पिछले लगभग 15 दिनों से करीब 35 हाथियों का झुंड टुंडी पहाड़ी क्षेत्र में डेरा डाले हुए है। ये हाथी भोजन की तलाश में अक्सर रात के समय पहाड़ से उतरकर आसपास के गांवों में पहुंच जाते हैं।

पर्वतपुर और बसहा सहित कई गांवों में हाथियों ने घरों को क्षतिग्रस्त किया है। खेतों में खड़ी धान, गेहूं सहित अन्य फसलों को रौंदकर भारी नुकसान पहुंचाया गया है। हाथियों की अचानक आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत है और उन्हें हर रात डर के साए में गुजारनी पड़ रही है।

वन विभाग लगातार ग्रामीणों से सतर्क रहने और रात के समय विशेष सावधानी बरतने की अपील कर रहा है। हालांकि, हाथियों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक लगाने में अब तक सफलता नहीं मिल पाई है।

इसी के मद्देनजर, जिला प्रशासन ने ब्लिंकिंग लाइट तकनीक को अपनाने की तैयारी शुरू की है। इस तकनीक के तहत रात के समय झिलमिलाती रोशनी से हाथियों को यह भ्रम होगा कि वहां मानव गतिविधि मौजूद है, जिससे वे गांवों में प्रवेश नहीं करेंगे। प्रशासन को उम्मीद है कि यह कदम हाथियों के उत्पात को कम करने और ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहायक होगा।

राज्य सूचना आयोग को मिले चार नए आयुक्तः

अनुज सिन्हा, तनुज खत्री, अमूल्य नीरज खलखो, शिवपूजन पाठक के नाम पर राज्यपाल की मुहर

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने झारखंड राज्य सूचना आयोग में चार नए सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। राज्य सरकार द्वारा भेजे गए प्रस्ताव पर विचार करते हुए उन्होंने अनुज कुमार सिन्हा, तनुज खत्री, अमूल्य नीरज खलखो तथा शिवपूजन पाठक की नियुक्ति को स्वीकृति प्रदान की है। यह निर्णय ऐसे समय में आया है जब आयोग में लंबे समय से पद रिक्त रहने के कारण कार्यों के निष्पादन में दिक्कत आ रही थी। राज्यपाल द्वारा दी गई इस स्वीकृति से आयोग के लंबित मामलों के निष्पादन में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

हालांकि राज्यपाल ने इस प्रस्ताव को कुछ शर्तों के साथ अनुमोदित किया है। उन्होंने राज्य सरकार को स्पष्ट निर्देश दिया है कि झारखंड राज्य सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति शीघ्र सुनिश्चित की जाए, ताकि आयोग का कार्य सुचारु एवं प्रभावी ढंग से संचालित हो सके।

इसके साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया में यदि किसी प्रकार की प्रक्रियागत त्रुटि सामने आती है या इस संबंध में उच्चतम न्यायालय के आदेशों के अनुपालन से जुड़ा कोई प्रश्न उठता है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी।

गिरिडीह में डस्ट लदे हाइवा में भीषण आगः चलते हाइवा के टायर में लगी आग

गिरिडीह। गिरिडीह जिले के जमुआ थाना क्षेत्र अंतर्गत सियाटांड़ में मंगलवार देर रात एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब डस्ट लदा एक हाइवा अचानक आग की चपेट में आ गया। यह घटना भारत पेट्रोल पंप के समीप उस सड़क पर हुई, जो गिरिडीह-बेंगाबाद मेन रोड को जोड़ती है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हाइवा बेंगाबाद की ओर से डस्ट लोड कर आ रहा था, तभी अचानक उसके पिछले टायर में आग लग गई। चालक ने स्थिति को भांपते हुए तत्परता दिखाई और तुरंत वाहन से कूदकर अपनी जान बचा ली। कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरा वाहन आग की लपटों में घिर गया।

स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में पूरा हाइवा धू-धूकर जलने लगा। घटनास्थल के पास एक तालाब भी मौजूद था, लेकिन आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि शुरुआती स्तर पर उसे नियंत्रित करना संभव नहीं हो पाया।

लोगों ने दूर से ही लपटों को बढ़ते देखा और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। धीरे-धीरे वाहन पूरी तरह जलकर राख में तब्दील हो गया। राहत की बात यह रही कि इस दौरान कोई अन्य व्यक्ति इसकी चपेट में नहीं आया। आसपास के इलाकों में भी आग नहीं फैली।

घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने क्षेत्र में चलने वाले हाइवा वाहनों पर सवाल खड़े किए हैं। उनका आरोप है कि अधिकतर हाइवा ओवरलोड होकर तेज रफ्तार में चलते हैं, जिससे इस तरह की घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। ग्रामीणों का अनुमान है कि अत्यधिक दबाव और गति के कारण टायर गर्म होकर आग लगने की यह घटना हुई होगी।

हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों का अब तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस भी मामले की जानकारी जुटाने में लगी है।

गुमला के किसान ने टमाटर उगाकर कमाए लाखों रुपएः वैज्ञानिक तरीके से खेती कर बने आत्मनिर्भर

गुमला। गुमला जिले के सदर प्रखंड स्थित वृंदा गांव के शिवकुमार यादव ने वैज्ञानिक विधि से टमाटर की खेती कर आत्मनिर्भरता का उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने अपनी मेहनत से लाखों रुपये कमाए हैं और अन्य लोगों को भी रोजगार प्रदान कर रहे हैं।

यह उपलब्धि ऐसे क्षेत्र में हासिल हुई है जहां अधिकांश लोग मौसमी खेती के बाद रोजगार की तलाश में पलायन करते हैं। शिवकुमार ने छत्तीसगढ़ में अपने एक रिश्तेदार के यहां लगभग तीन महीने तक रहकर टमाटर की ग्राफ्टेड विधि से खेती का विशेष प्रशिक्षण और जानकारी प्राप्त की।

इसके बाद, उन्होंने पूरे परिवार के साथ मिलकर डेढ़ एकड़ जमीन पर 'साहू' किस्म के 6000 ग्राफ्टेड टमाटर के पौधे लगाए। उनकी मेहनत अब रंग लाई है। अब तक वे 3 लाख 50 हजार का टमाटर बेच चुके हैं और उन्हें उम्मीद है कि वे अतिरिक्त 2 लाख के टमाटर और बेच लेंगे।

शुरुआत में शिवकुमार ने अपने ढाई एकड़ खाली खेत पर गोभी की खेती का प्रयास किया था। एक रिश्तेदार के सुझाव पर शुरू की गई इस खेती में तकनीकी ज्ञान और सिंचाई के अभाव के कारण उन्हें लगभग 2 लाख रुपए का नुकसान हुआ। इस नुकसान के बावजूद, शिवकुमार ने हार नहीं मानी और टमाटर की खेती की।

शिवकुमार यादव थोक और खुदरा दोनों तरीकों से टमाटर बेचते हैं। कुछ व्यवसायी सीधे खेत से 10 रुपए प्रति किलोग्राम के हिसाब से टमाटर खरीदते हैं, जबकि स्थानीय बाजार में खुदरा बिक्री 20 रुपए प्रति किलोग्राम तक होती है।

अपनी खेती के साथ-साथ, शिवकुमार गांव के 5-7 लोगों को समय-समय पर रोजगार भी उपलब्ध करा रहे हैं। पहले सिंचाई की काफी कमी थी, लेकिन अब वे ड्रिप इरिगेशन तकनीक का उपयोग कर रहे हैं, जो बेहद कारगर साबित हो रही है।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

2		9				6		
	4		8	7			1	2
8				1	9		4	
	3		7			8		1
	6	5			8		3	
1				3				7
			6	5		7		9
6		4					2	
	8		3		1	4	5	

पिछले अंक का उत्तर

2	6	5	4	3	1
4	1	3	2	6	5
3	5	6	1	2	4
1	4	2	3	5	6
5	3	1	6	4	2
6	4	2	5	3	1

चौखट पर हमारी तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
खूयालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

गिरिडीह में शादी समारोह में छज्जा गिरने से हादसाः2 दर्जन से अधिक लोग हुए घायल

गिरिडीह। गिरिडीह जिले के हीरोडीह थाना क्षेत्र के महारायडीह गांव में एक शादी समारोह के दौरान छज्जा और रेलिंग गिरने से बड़ा हादसा हो गया। इस घटना में दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए, जिनमें से 6 की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह घटना शमशेर आलम की बेटी की शादी के दौरान हुई, जब जमुआ प्रखंड के धोथो गांव से बारात महारायडीह पहुंची थी। शादी से पहले 'दुआर लगाई' की पारंपरिक रस्म चल रही थी, जिसमें बड़ी संख्या में बाराती, सराती और स्थानीय ग्रामीण मौजूद थे। रस्म देखने के लिए लोग कार्यक्रम स्थल के गेट, छज्जे और रेलिंग के पास जमा हो गए थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भीड़ बढ़ने के साथ ही कई लोग बेहतर दृश्य के लिए छज्जे और रेलिंग पर चढ़ गए, जिससे उन पर अत्यधिक दबाव पड़ गया।

हार्दिक पंड्या अफगानिस्तान वनडे सीरीज से बाहर:फिटनेस टेस्ट के दौरान चोट लगी; एक दिन पहले फिट घोषित किया गया था

नई दिल्ली। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। बेंगलुरु स्थित **BCCI** के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में मंगलवार को फिटनेस टेस्ट पास करने के कुछ ही घंटों बाद हार्दिक को जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव (हैमस्ट्रिंग) आ गया। सीरीज 13 जून से शुरू हो रही है।

32 साल के हार्दिक **IPL** के दौरान मुंबई इंडियंस की तरफ से खेलते हुए पीठ की जकड़न का शिकार हो गए थे। वे इसी चोट से उबरकर फिटनेस क्लियरेंस सर्टिफिकेट लेने बेंगलुरु पहुंचे थे।

न्यूज एजेंसी **PTI** ने **BCCI** सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि अब नई चोट की वजह से उन्हें रिकवरी और रिहैबिलिटेशन के लिए कम से कम तीन हफ्ते का समय लगेगा, जिसके चलते वे आगामी सीरीज का हिस्सा नहीं बन पाएंगे।

फिटनेस असेसमेंट में 10 ओवर बॉलिंग करना भारी पड़ा

जानकारी के अनुसार, हार्दिक पंड्या बेंगलुरु में फिटनेस टेस्ट के आखिरी दौर में थे। असेसमेंट के दौरान उन्होंने अपनी पूरी क्षमता देखने के लिए मैदान पर पूरे 10 ओवर गेंदबाजी की। माना जा रहा है कि लंबे ब्रेक के बाद अचानक बॉलिंग का पूरा कोटा डालने के कारण ही उनकी जांघ की मांसपेशियों पर अतिरिक्त दबाव पड़ा और वे नई चोट का शिकार हो गए।

मंगलवार को रोहित-हार्दिक ने फिटनेस टेस्ट पास किया था

मंगलवार को न्यूज एजेंसी **ANI** ने खबर दी की भारत और अफगानिस्तान के बीच शनिवार से शुरू होने वाली 3 वनडे मैचों की सीरीज में रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या भी खेलेंगे। दोनों ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। वे जल्द ही टीम के साथ जुड़ेंगे।

रोहित **IPL** के दौरान हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझ रहे थे। वहीं, हार्दिक पंड्या पीठ की जकड़न की वजह से परेशान थे। दोनों मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए चोटिल हुए थे। दोनों को वनडे सीरीज के लिए सब्जेक्ट टू फिटनेस के आधार पर टीम में शामिल किया गया था।

शनिवार से शुरू हो रही है सीरीज, लखनऊ और चेन्नई में भी मुकाबले

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला शनिवार, 13 जून को धर्मशाला में खेला जाएगा। सीरीज के बाकी दो मैच 17 जून को लखनऊ और 20 जून को चेन्नई में होंगे। हार्दिक ने **IPL** 2026 के दौरान मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए कुछ मैच मिस किए थे, लेकिन वे 24 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ टीम के आखिरी मुकाबले में मैदान पर लौटे थे। विराट कोहली हैमस्ट्रिंग यानी जांघ की मसल्स में खिंचाव की वजह से टीम से बाहर हो चुके हैं।

बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को 21 साल बाद हराया: मीरपुर वनडे में 86 रन से मात दी; नाहिद राणा ने 4 विकेट झटके

बांग्लादेश ने मीरपुर में खेले गए पहले वनडे मैच में ऑस्ट्रेलिया को डकवर्थ-लुईस (डीएल) नियम के तहत 86 रन से हरा दिया। बांग्लादेश की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे इतिहास में यह केवल दूसरी जीत है। उसने ऑस्ट्रेलिया को पहली बार 2005 में हराया था।

टीम में 4 साल बाद वापसी कर रहे मोसाद्देक हुसैन ने मीरपुर वनडे में नाबाद 86 रन की पारी खेली और फिर 2 विकेट भी लिए। नाहिद राणा ने 4 विकेट झटके।

ऑस्ट्रेलिया की टीम पिछले हफ्ते पाकिस्तान से वनडे सीरीज 1-2 से हारने के बाद बांग्लादेश पहुंची है। उसे यहां पहले ही मैच में करारी शिकस्त झेलनी पड़ी।

बांग्लादेश ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवरों में 8 विकेट पर 284 रन बनाए। 285 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरे ऑस्ट्रेलिया ने जब 42.2 ओवरों में 9 विकेट खोकर 191 रन बनाए थे, तभी बिजली कड़कने और बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। खेल दोबारा शुरू न होने की स्थिति में डकवर्थ-लुईस नियम के तहत बांग्लादेश को 86 रन से विजेता घोषित कर दिया गया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कैमरन ग्रीन 52 रन बनाकर नाबाद रहे।

मोसाद्देक हुसैन बांग्लादेश की जीत के सबसे बड़े हीरो रहे। उन्होंने महज 70 गेंद में 7 चौकों और 3 छक्कों की मदद से नाबाद 86 रन कूट डाले। हालांकि, इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई फील्डर्स ने उन्हें तीन जीवनदान भी दिए। कूपर कॉनोली, ओलिवर पीक और एडम जम्पा ने उनके कैच छोड़े, जिसका मोसाद्देक ने पूरा फायदा उठाया। उनके अलावा कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने 67 और ओपनर तंजीद हसन ने 54 रनों की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं।

ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और पारी की पहली ही गेंद पर ओपनर मैथ्यू शॉर्ट को तस्कीन अहमद ने बोल्ड कर दिया। खराब फॉर्म से जूझ रहे मार्नस लाबुशेन भी सिर्फ 1 रन बनाकर मुस्तफिजुर रहमान का शिकार बने। पाकिस्तान के खिलाफ पिछली सीरीज में 0, 5 और 19 रन बनाने वाले लाबुशेन का फ्लॉप शो यहां भी जारी रहा। मिडिल ऑर्डर में कूपर कॉनोली (35) ने कप्तान जोश इंग्लिस (19) और एलेक्स कैरी (47) के साथ छोटी साझेदारियां कर पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन वे टीम को संकट से नहीं निकाल सके।

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स में 100 अंकों की बढ़त, 74,000 के पार कारोबार; आईटी और एफएमसीजी शेयरों में खरीदारी

भारतीय शेयर बाजार में आज यानी 10 जून को सकारात्मक माहौल देखने को मिला। सप्ताह के कारोबारी सत्र में निवेशकों की मजबूत खरीदारी के चलते प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ कारोबार करते नजर आए। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स करीब 100 अंकों की बढ़त के साथ 74,000 के स्तर के ऊपर कारोबार करता दिखा, जबकि एनएसई निफ्टी 23,350 के आसपास लगभग स्थिर (फ्लैट) कारोबार करता रहा। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार आईटी और एफएमसीजी सेक्टर में निवेशकों की रुचि बढ़ने से बाजार को समर्थन मिला है। इन क्षेत्रों के प्रमुख शेयरों में खरीदारी के कारण सेंसेक्स को मजबूती मिली। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों और घरेलू आर्थिक गतिविधियों में सुधार की उम्मीदों ने भी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है।

आईटी कंपनियों के शेयरों में तेजी का कारण विदेशी बाजारों से मिले बेहतर संकेत और टेक सेक्टर में बढ़ती मांग को माना जा रहा है। वहीं एफएमसीजी कंपनियों में खरीदारी से यह संकेत मिलता है कि निवेशक स्थिर और सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर भी रुख कर रहे हैं। ग्रामीण मांग में सुधार की उम्मीदों ने भी इस सेक्टर को मजबूती प्रदान की है। हालांकि, निफ्टी में बड़ी बढ़त देखने को नहीं मिली और यह सीमित दायरे में कारोबार करता रहा। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि निवेशक आगामी आर्थिक आंकड़ों और वैश्विक घटनाक्रमों पर नजर बनाए हुए हैं, जिसके चलते बाजार में सतर्कता भी बनी हुई है।

दावा-इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स संन्यास ले सकते हैं

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ सकते हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास (रिटायरमेंट) का ऐलान भी कर सकते हैं। ब्रिटिश मीडिया आउटलेट टॉकस्पोर्ट की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। यह डेवलपमेंट लॉर्ड्स टेस्ट में न्यूजीलैंड पर इंग्लैंड की 115 रनों की जीत के तुरंत बाद सोमवार तड़के हुए एक नाइटक्लब विवाद के बाद सामने आया है।

इस विवाद में कप्तान बेन स्टोक्स के साथ टीम के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन भी शामिल थे। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने टीम प्रोटोकॉल तोड़ने के आरोप में दोनों खिलाड़ियों के खिलाफ आधिकारिक जांच शुरू कर दी है।

क्रिकेट वेबसाइट 'द क्रिकेटर' के सीनियर कॉरेस्पोंडेंट जॉर्ज डोबेल ने टॉकस्पोर्ट से बातचीत में बताया कि स्टोक्स अनुशासन समिति के फैसले का इंतजार करने के बजाय खुद ही पीछे हटने का मन बना रहे हैं। डोबेल ने कहा, 'मुझे जो भी जानकारियां मिल रही हैं, उससे डर है कि स्टोक्स श्रृष्टक्र की कार्रवाई से पहले ही खुद कदम उठाएंगे। बेहद दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि मैं सुन रहा हूं कि वे कप्तानी से इस्तीफा दे सकते हैं और संभवत: क्रिकेट से संन्यास भी ले सकते हैं।

फुटबॉल वर्ल्डकप में अमेरिका पर भेदभाव के आरोप: रेफरी को वापस भेजा, रन-वे पर खिलाड़ियों की जांच,

वॉशिंगटन। FIFA वर्ल्ड कप 2026 से पहले अमेरिका पर भेदभाव के आरोप लग रहे हैं। विवाद तब बढ़ा, जब सेनेगल, उज्बेकिस्तान और सोमालिया से जुड़े खिलाड़ियों व अधिकारियों की रनवे पर ही कड़ी जांच की गई। ड्रग्स की जांच के लिए डॉग स्क्वॉड भी बुलाया गया।

इन घटनाओं के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। लोगों ने सवाल उठाए हैं कि खिलाड़ियों और खेल अधिकारियों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार क्यों किया जा रहा है।

विवाद उस समय और बढ़ गया, जब सोमालिया के रेफरी उमर आर्टन को वैध अमेरिकी वीजा होने के बावजूद मियामी एयरपोर्ट से वापस भेज दिया गया। आर्टन वर्ल्ड कप में रेफरी की जिम्मेदारी निभाने वाले पहले सोमाली अधिकारी बनने वाले थे।

अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि अतिरिक्त जांच के बाद उन्हें प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। इस फैसले को सोमालिया के खेल मंत्रालय ने खेल भावना के खिलाफ बताया है।

एयरपोर्ट पर सेनेगल की नेशनल टीम के खिलाड़ियों और अधिकारियों की चेकिंग करते नजर आई अमेरिकी सिक्योरिटी टीम।- सोशल मीडिया

एयरपोर्ट पर सेनेगल की नेशनल टीम के खिलाड़ियों और अधिकारियों की चेकिंग करते नजर आई अमेरिकी सिक्योरिटी टीम।

कई यूजर्स ने फीफा पर भी आरोप लगाया कि विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा उन देशों के खिलाड़ियों के साथ हुए अपमानजनक व्यवहार पर चुप है। जांच से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।

कुछ लोगों ने सवाल उठाया कि क्या यह व्यवहार सभी टीमों के साथ समान था। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा- क्या किसी श्वेत टीम के साथ भी ऐसा हुआ, या यह व्यवहार केवल सेनेगल के लिए था? यह अजीब है। ईरान के फुटबॉल महासंघ ने आरोप लगाया कि फीफा विश्व कप के लिए उसके लिए रिजर्व टिकटों का हिस्सा वापस ले लिया गया।इससे उन ईरानी प्रशंसकों को बड़ा झटका लगा है जिन्होंने पहले ही यात्रा की बुकिंग कर ली थी, लेकिन अब वे अपनी टीम के मैच नहीं देख पाएंगे।

चांदी 9,658 गिरकर 2.36 लाख किलो पर आई: 10 दिन में 27 हजार की गिरावट; सोना 4,090 टूटा, 10 ग्राम की कीमत 1.48 लाख

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव की वजह से आज यानी 10 जून को सोने-चांदी के दाम में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम आज 4,090 रुपए गिरकर 1.48 लाख रुपए हो गया है। वहीं, 1 किलो चांदी की कीमत 9,658 रुपए कम होकर 2.36 लाख रुपए पर आ गई है।

31 मई को चांदी की कीमत 2.63 लाख रुपए थी। यानी सिर्फ 10 दिनों में ही ये 27 हजार रुपए सस्ती हो चुकी है। वहीं इस दौरान सोने की कीमत 8 हजार रुपए कम हुई है। एक्सपर्ट्स के अनुसार जियो पॉलिटिकल टेंशन के चलते लोग मार्केट से पैसा निकालकर अपने पास कैश रख रहे हैं।

ऑलटाइम हाई से 1.50 लाख रुपए गिरी चांदी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 28 हजार रुपए सस्ता हो चुका है।

वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक 130 दिन में चांदी 1.50 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

CCPL के सेमीफाइनल में बिलासपुर और रायपुर:बस्तर और राजनांदगांव के बीच करो या मरो का मुकाबला जारी

रायपुर। CCPL का लगभग आधा सीजन खत्म हो चुका है। बिलासपुर और रायपुर की टीम सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुकी है। रायगढ़ आज जीत के साथ क्वालिफाई कर सकती है। लेकिन चौथे स्पॉट के लिए राजनांदगांव, सरगुजा और बस्तर के बीच मुकाबला कड़ा है।

इन तीन टीम में सबसे बुरा हाल बस्तर बाइसन्स का है। टीम तीन मैच खेल चुकी है, लेकिन एक भी जीत नसीब नहीं हुई। जबकि राजनांदगांव और सरगुजा को 4 मैचों में 1-1 जीत मिली है। ग्रुप स्टेज में दोनों टीम के सिर्फ एक-एक मुकाबले ही बचे हैं। वहीं बस्तर के तीन मैचों के रिजल्ट आ चुके हैं। यानी बस्तर के पास एक मैच ज्यादा। बस्तर और राजनांदगांव के बीच मैच खेला जा रहा है। बस्तर पहले बैटिंग कर रही है, लेकिन पारी लड़खड़ा चुकी है। दोनों टीमों के मुकाबला करो या मरो वाला है। बस्तर हारी तो कंफर्म बाहर है। इन केस जीती तो राजनांदगांव को लगभग बाहर ही समझिए। दूसरा मुकाबला रायपुर और रायगढ़ का है। रायपुर पहले की क्वालीफाई कर चुकी है। मैच हारती भी तो कोई बड़ा फर्क नहीं पड़ेगा। रायपुर का ग्रुप स्टेज में यह आखिर मैच है। जबकि रायगढ़ का चौथा, आज का मैच जीती तो सीधे सेमीफाइनल की टिकट कटेगी।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-
1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।
2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।
3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते है, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।
4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।
ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।
Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

‘आकार-2026’ का समापन, 1281 प्रतिभागियों ने कला और संस्कृति का बिखेरा रंग: सांसद बृजमोहन

रायपुर। छत्तीसगढ़ की लोक कला, संस्कृति, हस्तशिल्प और आधुनिक रचनात्मकता के संगम का प्रतीक संस्कृति विभाग का बहुप्रतीक्षित कला प्रशिक्षण शिविर ‘आकार-2026’ रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हो गया। 25 मई से 9 जून तक महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय परिसर में आयोजित 16 दिवसीय शिविर में प्रदेशभर से आए 1281 प्रतिभागियों ने 16 विभिन्न कला विधाओं का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

मापन समारोह में रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद बृजमोहन अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2004 में संस्कृति मंत्री रहते हुए उन्होंने ‘आकार’ प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत की थी, जिसका उद्देश्य छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और लोक परंपराओं को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाना था। उन्होंने सुझाव दिया कि ऐसे आयोजन प्रदेश के सभी संभागों में किए जाने चाहिए तथा पारंपरिक हस्तशिल्प और आभूषणों के लिए स्थायी विक्रय केंद्र स्थापित किए जाएं।

सांसद ने नई पीढ़ी को मिट्टी, प्रकृति और लोक संस्कृति से जोड़ने पर जोर देते हुए कहा कि कला और सृजनशीलता बच्चों के

व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम में साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा, राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम की अध्यक्षा मोना सेन तथा संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के संचालक डॉ. संजय कन्नौजे सहित बड़ी संख्या में कला प्रेमी और अभिभावक मौजूद रहे।

डॉ. संजय कन्नौजे ने कहा कि ‘आकार’ केवल प्रशिक्षण शिविर नहीं बल्कि प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और संवर्धित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए पंजीयन शुल्क 200 रुपये से घटाकर 100 रुपये किया गया, जबकि दिव्यांग और अनाथ बच्चों को विशेष रियायत दी गई।

इस वर्ष शिविर में पारंपरिक लोक कलाओं के साथ आधुनिक तकनीक को भी शामिल किया गया। प्रतिभागियों ने टेराकोटा, जूट शिल्प, गोदना कला, रजवार भित्ति चित्र, मंडला एवं मांडना कला, भरथरी गायन, कथक, लोकसंगीत और पारंपरिक गहना निर्माण जैसी विधाओं का प्रशिक्षण लिया। साथ ही उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित कला की नवीन तकनीकों से भी परिचित कराया गया।

समापन अवसर पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या में सुवा, कर्मा और पंथी नृत्य, बांसगीत, भरथरी गायन तथा लोकसंगीत की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पारंपरिक वेशभूषा, लोक वाद्यों की मधुर ध्वनि और कलाकारों की ऊर्जा ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

समारोह में सभी कला गुरुओं और प्रशिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। ‘आकार-2026’ ने एक बार फिर साबित किया कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर केवल अतीत की पहचान नहीं, बल्कि भविष्य की प्रेरणा भी है। 1281 प्रतिभागियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी और अनुभवी कला गुरुओं के मार्गदर्शन ने इस आयोजन को कला, परंपरा और रचनात्मकता के महाकुंभ में बदल दिया।

प्रभारी सचिव अंकित आनंद ने निर्माणाधीन नालंदा परिसर का किया निरीक्षण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप जशपुर जिले में विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त नालंदा परिसर का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। यह परिसर जिले के युवाओं के लिए अध्ययन एवं ज्ञानार्जन का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

जशपुर जिले के प्रभारी सचिव श्री अंकित आनंद ने अपने प्रवास के दौरान विगत 8 जून 2026 को जिला मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 14 स्थित पुराने विस्तार डिपो परिसर के समीप निर्माणाधीन नालंदा परिसर का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण एजेंसी एवं संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

नरीक्षण के दौरान प्रभारी सचिव ने कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी कार्य निर्धारित मानकों एवं गुणवत्ता के अनुरूप सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

इस अवसर पर कलेक्टर रोहित व्यास, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक कुमार, एसडीएम विश्वास राव मस्के, नगर पालिका अधिकारी योगेश्वर उपाध्याय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि जशपुर जिला मुख्यालय में लगभग 2 एकड़ क्षेत्र में 11 करोड़ रुपये की लागत से 500 सीट क्षमता वाला अत्याधुनिक नालंदा परिसर विकसित किया जा रहा है। यह परिसर विद्यार्थियों को शांत, आधुनिक एवं तकनीकी सुविधाओं से युक्त अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराएगा।

नालंदा परिसर में विद्यार्थियों को 24 घंटे निःशुल्क इंटरनेट सुविधा, कंप्यूटर लैब, ई-लाइब्रेरी, आधुनिक अध्ययन कक्ष, कैंटीन तथा पार्किंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके माध्यम से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को उच्च स्तरीय अध्ययन संसाधन एक ही स्थान पर सुलभ हो सकेंगे।

पेड़ों की सुरक्षा और संवर्धन पर समुचित ध्यान देने की आवश्यकता : राज्यपाल

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से आज लोक भवन में प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरुण कुमार पांडे, रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री सम्बित मिश्रा, मुख्य वन संरक्षक रायपुर वृत्त मणिवासगन एस तथा रायपुर वन मंडल के डीएफओ श्री लोकनाथ पटेल ने मुलाकात की । इस दौरान राज्यपाल ने शहर और नया रायपुर में लगाए गए वृक्षों के संरक्षण एवं सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने पर बल दिया है।

राज्यपाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पौधे लगाने के बाद उनकी सुरक्षा और देखभाल सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि केवल अत्यावश्यक परिस्थितियों में ही वृक्षों की कटाई की अनुमति दी जाए। राज्यपाल ने शहर में बड़े वृक्षों के पास से ट्री गार्ड हटाने तथा जहां वृक्षारोपण किया गया है, वहां पेड़ों के चारों ओर बने कंक्रीट ढांचे को हटाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि पेड़ों की जड़ों तक पर्याप्त मात्रा में पानी और हवा पहुंचना जरूरी है, तभी उनका समुचित विकास हो सकेगा।

राज्यपाल डेका ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियान व्यापक स्तर पर चलाए जा रहे हैं। वृक्षारोपण के बाद उनकी देखभाल पर पर्याप्त ध्यान दिया जाए, जो भी पौधे लगाए जाएं, उनकी नियमित निगरानी और सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि वे विकसित होकर पर्यावरण संरक्षण में अपनी प्रभावी भूमिका निभा सकें। राज्यपाल ने अधिकारियों से शहर में हरित क्षेत्र बढ़ाने और लगाए गए पौधों के जीवित रहने की दर बढ़ाने के लिए समन्वित प्रयास करने को कहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के 12 वर्ष पूर्ण, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने की विशेष प्रार्थना

रायपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रसेवा के 12 वर्ष पूर्ण होने तथा देश के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इस अवसर को भारत के विकास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा के नए युग का प्रतीक बताया। इस अवसर पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े रायपुर स्थित खाटू श्याम मंदिर पहुंचीं, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना कर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और राष्ट्रसेवा के उनके संकल्प की निरंतर सफलता के लिए विशेष प्रार्थना की। उन्होंने देश की उन्नति, समृद्धि और विकसित भारत के लक्ष्य की सिद्धि की भी कामना की।

राजवाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 12 वर्षों में सुशासन, पारदर्शिता, जनकल्याण और राष्ट्रहित को केंद्र में रखकर कार्य किया है। उनके नेतृत्व में भारत ने आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी और वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। आज भारत विश्व की प्रमुख शक्तियों में अपनी मजबूत पहचान

स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत अभियान, नई शिक्षा नीति, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्वच्छ भारत मिशन, गरीब कल्याण योजनाओं तथा आधारभूत संरचना के विस्तार जैसे अनेक परिवर्तनकारी कदमों ने देश के विकास को नई दिशा दी है। भारत आज आत्मविश्वास के साथ वैश्विक मंचों पर अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज करा रहा है और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मंत्री राजवाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व देश के करोड़ों नागरिकों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके मार्गदर्शन में भारत ने सेवा, सुशासन और संकल्प से सिद्धि की भावना के साथ नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकसित भारत का संकल्प निश्चित रूप से साकार होगा और भारत विश्वगुरु के रूप में अपनी गौरवशाली पहचान स्थापित करेगा।

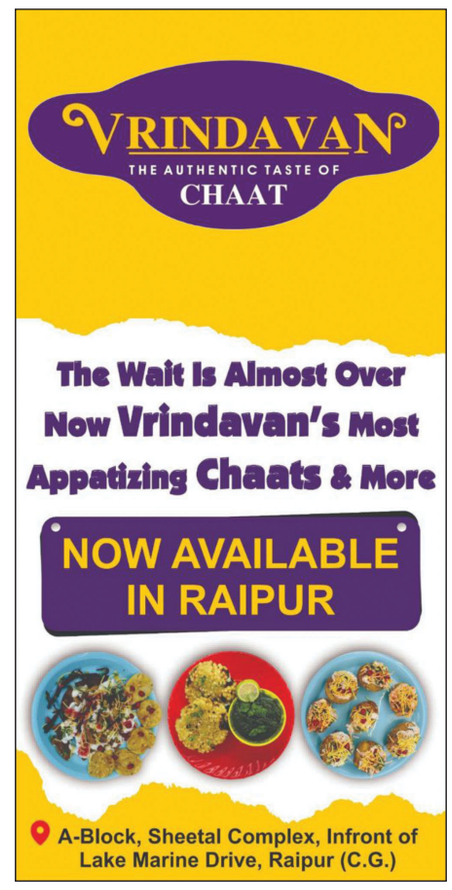

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684